



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 202]
No. 202]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 25, 2005/श्रावण 3, 1927
NEW DELHI, MONDAY, JULY 25, 2005/SRAVANA 3, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महाविदेशालय)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2005

अंतिम जांच परिणाम

विषय : चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित पॉलिटेट्राफ्ल्यूरोईथालिन (पीटीएफई) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/25/2003-डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान तथा उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

1. निम्नलिखित निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी(जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत भारत के राजपत्र में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना (प्रारंभिक जांच शुरूआत अधिसूचना) को 27 जुलाई, 2004 को जारी किया जिसमें चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पॉलिटेट्राफ्ल्यूरोइथाइलिन (पीटीएफई) के आयातों के बारे में जांच शुरू की थी। उक्त उत्पाद का संपूर्ण घरेलू उत्पादन का प्रतिनिधित्व करने वाले घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स हिन्दुस्तान फ्ल्यूरोकार्बन्स लि0, हैदराबाद (आवेदक) से प्राप्त एक शिकायत के पश्चात् पाटनरोधी कार्रवाई शुरू की गई थी। इस शिकायत में उक्त

उत्पाद को पाटन होने और उसके फलस्वरूप वास्तविक क्षति होने के साक्ष्य निहित थे जिसे कार्रवाई शुरू करने के औचित्य के लिए पर्याप्त माना गया था ।

(ii) प्राधिकारी ने भारत में स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों को उपर्युक्त नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसार जांच आरंभ करने से पूर्व याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत एक पूर्ण प्रलेखित याचिका प्राप्त होने की सूचना दी ।

(iii) उपर्युक्त नियम 6 के उप नियम (2) के अनुसार, प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातक, उत्पादकों, आयातकों, उद्योग संघों, संबंधित देश के दूतावास और शिकायतकर्ता को उक्त सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया ।

(iv) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6 के उप नियम (3) के अनुसार याचिका की प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों तथा भारत में संबद्ध देश के दूतावास को भेजी । प्राधिकारी ने नियम 6 के उप नियम 4 के अनुसार संगत प्रश्नावली की एक प्रति सभी ज्ञात निर्यातकों और भारत में संबद्ध देश के दूतावास और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान की । नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को भी जांच आरंभ होने की सूचना दी गयी थी और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने का आग्रह करने का अनुरोध किया गया था ।

(v) प्राधिकारी ने संबद्ध देश के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना प्राप्त करने के लिए प्रश्नावलियाँ भेजी:-

1. मै0 शानडॉंग डोंग्यू कैमिकल लि0, चीन जन.गण. ।
2. मै0 झेंग्सिन फ्ल्यूरोकारनोस, जियांगू, चीन जन.गण. ।
3. मै0 चांगझौ जियांगटोंग कैमिकल कं0 लि0, चीन जन.गण. ।

(vi) चीन जन.गण. राज्य के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली और जांच शुरूआत संबंधी नोटिस का उत्तर दिया है:-

1. मै0 शानडॉंग डोंग्यू पॉलिमर मैटिरियल कं0 लि0
2. मै0 ताइझौ मैलान रेजिन प्रोसेस कं0 लि0
3. मै0 ताइझौ मैलान फ्ल्यूराइन मैटिरियल कं0 लि0

(vii) निम्नलिखित आयातकों ने जांच शुरूआत संबंधी नोटिस का उत्तर दिया है:-

1. मै0 प्लास्टिक प्रोडक्ट्स इंजीनियरिंग कं0, अहमदाबाद ।
2. मै0 आफ्लोन इंजीनियरिंग कारपोरेशन, ऑफ्लोन प्रा0 लि0, अहमदाबाद की एक यूनिट ।
3. मै0 डिप-फ्लोन इंजीनियरिंग कं0 लि0
4. मै0 पोली फ्ल्यूरो प्रोडक्ट्स
5. मै0 फ्ल्यूरो प्लास्ट
6. मै0 कपेन्द्रा फ्ल्यूरो पॉलिमर्स प्रा0 लि0
7. मै0 अमरुता इंडस्ट्रीज
8. मै0 डफलॉन पॉलीमर्स प्रा0 लि0
9. मै0 ऑटोमैट इंडस्ट्रीज, अहमदाबाद
10. मै0 गर्ग एसोसिएट्स प्रा0 लि0, गाजियाबाद
11. मै0 सांघवी प्रोडक्ट्स, अहमदाबाद.

तथापि, किसी भी आयातक ने आयातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । तथापि उनके अनुरोधों को उस सीमा तक हिसाब में लिया गया है जिस सीमा तक वे जांच में संगत समझे गए हैं ।

(vii) प्राधिकारी ने अपने द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में निम्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश उपलब्ध रखे और उन्हें हितबद्ध पार्टियों को देखने के लिए खुला रखा ।

(viii) **** यह चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उसे गोपनीय ही माने जाने का द्योतक है ।

(ix) पाटन एवं क्षति की जांच के लिए 1 जनवरी, 2003 से 31 दिसंबर, 2003 तक की अवधि शामिल है (जिसे जांच की अवधि अथवा "पी ओ आई" कहा गया है) । क्षति के विश्लेषण के संदर्भ में रुझानों की जांच हेतु 1 अप्रैल, 2000 से जांच की अवधि शामिल है ।

- (x) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को 17 जनवरी, 2005 को आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत किए थे, उनसे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने विचारों को लिखित में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। पक्षकारों को विरोधी पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए विचारों की प्रतियाँ प्राप्त कर उनका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने की सलाह दी गयी थी। 7 जुलाई, 2005 को मामले के आवश्यक तथ्यों वाला एक प्रकटन विवरण जारी किया गया था और हितबद्ध पक्षकारों से इस पर विनिर्दिष्ट समय के भीतर टिप्पणी करने का अनुरोध किया गया था। अंतिम जांच परिणामों में विनिर्दिष्ट समय ढांचे के भीतर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच के पश्चात् इस जांच के लिए संगत प्रकटन विवरण जारी करना शामिल है।
- (xi) प्राधिकारी ने पाटन और परिणामी क्षति के संबंध में अंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गयी सभी सूचना मांगी और उनका सत्यापन किया। प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गयी सीमा तक घरेलू उद्योग और सहयोगी निर्यातकों की मौके पर जांच की। याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर आमतौर से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और निर्माण एवं बिक्री लागत निकालने के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत को निकालने के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का विश्लेषण भी किया गया था ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।

ख. विचाराधीन उत्पाद

2. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. मूल (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश) का अथवा वहां से निर्यातित पॉलिटेट्राफ्ल्यूरोइथाइलीन (पीटीईएफ) है। संबद्ध उत्पाद सुमेलीकृत प्रणाली पर आधारित भारतीय व्यापार वर्गीकरण (आईटीसी) में उपशीर्ष सं. 39046100 पर और सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अंतर्गत उप शीर्ष सं. 390461 के अंतर्गत वर्गीकृत है। यह सीमा शुल्क वर्गीकरण संकेतात्मक स्वरूप का है और यह जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है। इसका उत्पादन विभिन्न ग्रेडों जैसे मोल्लिंग ग्रेड, फाइन पाउडर ग्रेड, एक्वायस डेर 1 कम्पाउंड ग्रेड और फिल्ड ग्रेडों में किया जाता है। सभी ग्रेड विचाराधीन उत्पाद के दायरे में आते हैं। अपने अद्वितीय विशेषताओं, जो रासायनिक अक्रियता,

विद्युतीय और थर्मल इन्सुलेशन, कम घर्षण गुणांक, गैर-विषैला, अज्वलनशील, विकिरणरोधी और व्यापक बारम्बारता रेंज में विशिष्ट विद्युत भौतिक गुण हैं, के कारण संबद्ध माल का प्रयोग मुख्य रूप से इलैक्ट्रिकल, इलैक्ट्रानिक, यांत्रिक एवं रासायनिक उद्योगों में किया जाता है ।

ग. समान वस्तु

3. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित माल संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित माल के समान माल हैं । याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध माल और संबद्ध देशों से निर्यातित माल में कोई खास अंतर नहीं है । याचिकाकर्ता का यह दावा है कि वे दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं ।
4. समान वस्तु की परिभाषा के संबंध में, नियम 2(घ) यह स्पष्ट करता है कि "समान वस्तु" का तात्पर्य उस वस्तु से है जो जांच के अधीन उत्पाद से हर प्रकार से समरूप या समान हो अथवा ऐसी वस्तु की अनुपस्थिति में कोई अन्य वस्तु जिसके लक्षण जांच के अधीन वस्तुओं से काफी मिलते जुलते हों । इस जांच में विचाराधीन पॉलिटेट्राफ्ल्यूरोइथाइलीन (पीटीईएफ) है । इस उत्पाद के विनिर्माण की मुख्य कच्ची सामग्री एनहाइड्रस हाइड्रोक्लारिक एसिड और क्लोरोफार्म है । इसका उत्पादन मोल्लिंग ग्रेड, फाइन पाउडर ग्रेड, एक्वायस डिस्पर्सन और फिल्ड ग्रेड के कम्पाउंड ग्रेडों में किया जाता है ।
5. विभिन्न हितबद्ध निर्यातक एवं आयातक पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि संबद्ध माल के अनेक ग्रेड ऐसे हैं जिनका विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है और इन ग्रेडों का प्रयोग मुख्यतः उच्च लक्ष्य वाले इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे नाभिकीय एवं अंतरिक्ष प्रतिष्ठानों में किया जाता है । यह भी तर्क दिया गया है कि तार एवं केबल बनाने में प्रयुक्त ग्रेडों का विनिर्माण घरेलू उद्योग द्वारा गुणवत्ता के अनुरूप नहीं किया गया है । अतः इसका आयात किए जाने की जरूरत है । आगे यह भी तर्क दिया गया है कि पीटीएफई का उत्पादन एसटीएम मानकों अथवा विशिष्टताओं के अनुसार किया जाता है और घरेलू उद्योग सभी एसटीएम मानकों के अनुसार पीटीएफई का उत्पादन नहीं कर रहा है ।
6. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विरोधी पक्षकारों के दावे की जांच की । यह बात नोट की गई कि पीटीएफई का उत्पादन विभिन्न एसटीएम मानकों के अंतर्गत किया जाता है

और घरेलू उद्योग विभिन्न ग्रेडों का उत्पादन कर रहा है जो विभिन्न एसटीएम मानकों के अंतर्गत आते हैं, जैसाकि निम्न सारणी से स्पष्ट है:-

एसटीएम किस्म	ग्रेडों संख्या	की एचएफएल ग्रेड का नाम	उत्पादन (पीओआई) किग्रा. में		बिक्री (पीओआई) किग्रा. में	
			मात्रा कि.ग्रा.	हिस्सा %	मात्रा कि.ग्रा.	हिस्सा %
किस्म I	2	एच51ए, एच51ए सी	162467	65.52	195727	64.94
किस्म III	4	एच620, एच620 ई, एच620, एच620 ई,	21326	8.60	26994	8.96
किस्म IV	1	एच71	18089	7.30	22947	7.61
किस्म V	1	एच81एफ	0	-	0	0
किस्म VI	1	एच5पीएस	20	0.01	40	0.01
किस्म VII	1	एच81जी	0	-	0	0
कुल			201902	81.43	245708	81.53
अन्य फिल्ड ग्रेड			46044	18.57	55677	18.47
कुल			247947	100.00	301385	100.00

जांच अवधि में विचाराधीन उत्पाद का ग्रेडवार आयात निम्नानुसार है:-

एसटीएम किस्म	ग्रेडों की संख्या	जांच अवधि में आयातों की मात्रा	
		आयात किग्रा.	% हिस्सा
किस्म I	2	178741	76.63
किस्म III	4	18897	8.10
किस्म IV	1	-	-
किस्म V	1	-	-
किस्म VI	1	6000	2.57

किस्म VII	1	2000	0.85
अन्य फिल्ड ग्रेड		27597	11.83
कुल		233235	100.00

7. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान न तो एसटीएम टाईप V के समतुल्य ग्रेड का उत्पादन किया है और न ही इसकी बिक्री की है। तथापि ग्रेड 81 च घरेलू उद्योग के उत्पाद दायरे में है और इसे उत्पाद पुस्तिका में भी दिखाया गया है। यह भी दावा किया गया है कि एक के बाद एक स्रोतों से निरंतर पाटन होने के कारण घरेलू उद्योग ने 81 च का उत्पादन आस्थगित कर दिया है। इसके अलावा कुछेक हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि पीटीएफई के विभिन्न ग्रेड समान वस्तु नहीं हैं क्योंकि इन भिन्न-भिन्न ग्रेडों को एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग नहीं किया जा सकता है। विभिन्न अनुरोधों में दिए गए तर्कों की जांच करने के पश्चात यह नोट किया जाता है कि उत्पाद को केवल विशिष्ट अंतिम-अनुप्रयोग के लिहाज से ही परिभाषित नहीं किया गया है। उत्पाद को परिभाषित करने वाले मापदंड माल के भौतिक एवं रासायनिक गुण, विनिर्माण प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन और टैरिफ वर्गीकरण जैसी इसकी विशेषताएं हैं। इसके अलावा विभिन्न ग्रेडों के विशिष्ट गुणों से केवल अंतर से वे भिन्न समान उत्पाद नहीं बन जाते हैं। यह भी नोट किया जाता है कि समान उत्पाद का निर्धारण करते समय उत्पादन प्रतिस्थापनीयता समान रूप से महत्वपूर्ण होती है। इसके अलावा अनेक भिन्न अंतिम अनुप्रयोग का किसी एक ही संयंत्र और उपकरण में एक ही रासायनिक परिसर में उत्पादन किया जाता है। उत्पादन प्रक्रिया की दृष्टि से किसी उत्पादक के लिए पीटीएफई के भिन्न-भिन्न ग्रेडों का उत्पादन करना कठिन नहीं है। यह भी प्रासंगिक है कि उत्पादन एक ग्रेड से दूसरे ग्रेड पर जल्दी और अधिक लागत अथवा समय खर्च बिना बगैर जा सकता है। इसलिए भिन्न-भिन्न विशिष्ट अंतिम अनुप्रयोगों के होते हुए भी सभी ग्रेड एक ही घरेलू समान उत्पाद होते हैं।

8. प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से आयातों की सौदे-वार सूचना एकत्र की थी। प्राधिकारी ने नोट किया कि चीनी उत्पादकों द्वारा निर्यात की गई संबद्ध वस्तुओं और घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई वस्तुओं का उत्पादकों के उसी वर्ग द्वारा प्रयोग किया जा रहा है। दोनों वस्तुएं माल की भौतिक विशेषताओं, रासायनिक गुणों, विनिर्माण प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, कीमत, वितरण और विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण के लिहाज से व्यापक रूप से तुलनीय हैं। संबद्ध वस्तुओं के अंतिम

प्रयोग के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं की हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के विनिर्माताओं को निरंतर आपूर्ति की गई है। चीन जन.गण. से आयात की गई और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पीटीएफई में कोई खास ज्ञात अन्तर नहीं है। कुछेक आयातकों ने प्राधिकारी का ध्यान इस बात की ओर दिलाया है कि घरेलू समान उत्पाद आयात की गई संबद्ध वस्तुओं से गुणवत्ता में घटिया हैं और इसलिए इन दोनों की तुलना नहीं की जा सकती है और इसलिए ये समान उत्पाद नहीं हैं। प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों के तर्क की जांच की है और वे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को भेजे गए पत्र जिसे एक आयातक द्वारा भेजा गया था, के अलावा किसी भी आयातक द्वारा इस तथ्य के संबंध में कोई सार्थक सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है कि घरेलू उद्योग घटिया गुणवत्ता के समान उत्पादों का उत्पादन करता है। यह भी नोट किया जाता है कि आज की तारीख तक किसी भी आयातक द्वारा आयातक प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है जिससे जांच से संबंधित उपयोगी सूचना प्राप्त होगी। इस जांच के आधार पर यह माना गया है कि आयात की गई संबद्ध वस्तुएं और घरेलू समान उत्पाद तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और उपभोक्ता दोनों वस्तुओं को एक दूसरे के स्थान पर प्रयोग कर रहे हैं। उपर्युक्त जांच के आधार पर प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पीटीएफई नियमों के अनुसार चीन जन.गण. से आयात की गई पीटीएफई के समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग

9. मै0 हिन्दुस्तान फ्लूरोकार्बन लि0, हैदराबाद भारत में पोलिटेट्राफ्लूरोइथिलीन (पीटीएफई) का अकेला उत्पादक है और भारतीय उत्पादन के 100% का उत्पादन करता है। अतः याचिकाकर्ता के पास नियमानुसार आवेदन दायर करने हेतु अपेक्षित आधार है।

ड. पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य

10. धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- (i) समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य रूप में तुलनीय मूल्य जब वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो, जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए नियमों के अनुसार किया गया हो, या
- (ii) जब व्यापार के सामान्य रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान्य वस्तु की बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा;
- (क) समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त तीसरे देश से किया जाए जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो, या
- (ख) उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत, जिसमें प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो;

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल बाहनान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा ।

गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों के मामले में सामान्य मूल्य

भारत में कानूनी प्रावधान

11. चीन जन.गण. से आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांचों में उन उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 1-6 के अनुसार किया जाएगा जिन्हें पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 में

विनिर्दिष्ट मापदंडों को पूरा करते पाया गया था। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में उल्लेख है कि:

7. "गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था वाले किसी तीसरे देश में कीमत या निर्मित मूल्य अथवा ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों की कीमत, या जहां यह संभव न हो, भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तव में अदा की गई या देय कीमत सहित जिसका तर्क संगत लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए यदि आवश्यक हो, उचित रूप से समायोजन किया गया हो, अन्य किसी तर्क संगत आधार पर किया जाएगा।"

12. आगे, "दिनांक 04.01.2002 को संशोधित अनुबंध 1 के पैरा 8 में यह उल्लेख है कि:

(1) "गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" शब्द समूह का अर्थ किसी ऐसे देश से है जिसको निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत संबंधी बाजार सिद्धांतों या कीमत ढांचे पर प्रचालन नहीं करने वाले देश के रूप में निर्धारित करता है ताकि ऐसे देश में माल की बिक्रियों से उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के अनुसार माल का उचित मूल्य प्रतिबिम्बित नहीं हो।

(2) यह धारणा होगी कि कोई देश जिसे पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा किसी डब्ल्यूटीओ सदस्य देश के सक्षम प्राधिकारी द्वारा जांच से पहले तीन वर्ष की अवधि के दौरान गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में निर्धारित किया गया है या ऐसा व्यवहार दिया गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, बशर्ते कि कोई गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश अथवा ऐसे देश की संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसी सूचना एवं साक्ष्य प्रस्तुत करके जिनसे इस बात की पुष्टि होती हो कि उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर ऐसा देश एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है, ऐसी किसी धारणा का खंडन कर सकते हैं।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मापदंडों पर विचार करेगा कि क्या:

(क) ऐसे देश में संबंधित फर्मों के कीमतों लागतों एवं कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत उत्पादन, बिक्री और निवेश सहित निविष्टियों के संबंध में निर्णय पूर्ति एवं मांग को प्रदर्शित करने वाले संकेतकों के उत्तर में और इस संबंध में राज्य के अधिक हस्तक्षेप के बिना लिए गए हैं और क्या मुख्य निविष्टियों की लागतों से बाजार मूल्य वास्तविक रूप से प्रदर्शित होते हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतें और वित्तीय स्थिति परिसम्पत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋणों की क्षतिपूर्ति के द्वारा भुगतान के संबंध में विशेष रूप से पूर्व गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से ले जाई गई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(ग) ऐसी फर्में दिवालियापन और सम्पत्ति कानूनी के अध्यधीन हैं जिनसे इन फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनी निश्चितता और स्थायित्व की गारंटी प्राप्त होती है;

(घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर लिए जाते हैं; तथापि, बशर्ते कि जहाँ इस पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट मापदंडों के आधार पर लिखित में पर्याप्त साक्ष्य द्वारा यह प्रदर्शित किया गया हो कि एक या अधिक ऐसी फर्मों हेतु प्रचलित बाजार स्थितियाँ पाटनरोधी जांच के अध्यधीन हैं तो निर्दिष्ट प्राधिकारी इस पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट सिद्धांतों के बजाय पैराग्राफ 3 से 6 तक में विनिर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं ।

13. चीन जन.गण. के तीन निर्यातक उत्पादकों ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 और 8 के अनुसरण में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के लिए अनुरोध किया था और निर्यातक उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावलियों का उत्तर दिया था। प्राधिकारी ने इन कंपनियों के परिसर में एमईटी प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत और निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर में जैसा आवश्यक समझा गया सभी सूचनाओं की मांग की और उनका सत्यापन किया था ।

शैनडांग डांग्यू पोलिमर मैटीरियल कंपनी लि० (शैनडांग) चीन जन.गण.

14. प्रथम मापदंड अर्थात् ऐसे देश में कीमतों, लागतों और कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी की लागत, उत्पादन बिक्रियां और निवेश सहित निविष्टियों संबंधी संबंधित फर्मों के निर्णय बाजार संकेतकों के उत्तर में और राज्य के अधिक हस्तक्षेप के बगैर लिए जाते हैं, के संबंध में प्राधिकारी ने नियातक उत्पादकों की शेयरधारिता पद्धति की जांच की। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान यह नोट किया गया था कि कुल शेयर पूंजी में *** शेयरधारकों द्वारा अंशदान किया गया है और इनमें से मै०*** इस फर्म में दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक है और यह राज्य के स्वामित्व वाली एक कंपनी है। इसके अलावा, एक अन्य राज्य कंपनी मै० *** जिसका *** में जिसका*** में अत्यधिक पण्यधारिता है***% से अधिक अत्यधिक राज्य धारिता नियंत्रण है। मै० *** , जोकि राज्य के स्वामित्व की है, के संबंध में कंपनी ने इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया कि राज्य के स्वामित्व वाली न्यास निधि जांच के दौरान इसकी वास्तविक शेयरधारक क्यों थी। यह तर्क दिया गया था कि उन्होंने इसे किसी प्रचालनात्मक नियंत्रण या दैनिक प्रबंधन नियंत्रण के बगैर सुपुर्द आधार पर रखा था। एक अन्य मापदंड कि प्रमुख निविष्टियों से बाजार मूल्य वास्तविक रूप से प्रदर्शित होते हैं, के संबंध में जांच दौरे के दौरान यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया था कि कच्ची सामग्री की खरीद बाजार मूल्यों के समान कीमतों पर की गई थी। प्राधिकारी द्वारा जांच किए गए अन्य मापदंड के संबंध में यह नोट किया गया था कि निर्यातक उत्पादक पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार इन अनुमानों का खंडन नहीं कर सका था।

मै० ताईझोऊ मेलान रेजिन प्रोसेस कं० लि० और मै० ताईझोऊ फ्लूराईन मैटीरियल कंपनी लि० (तुझोऊ मेलान)

15. शुरूआत में *** (केमिकल फैक्ट्री) *** में स्थापित की गई थी। *** में फ्लोरीन अल्काली (एनएओएच) विनिर्माण प्रभाग केमिकल फैक्ट्री में से निकालकर*** (केमिकल स्टॉक कंपनी) के नाप से एक अलग कंपनी बनाई गई थी। केमिकल स्टॉक कंपनी के केमिकल फैक्ट्री के साथ *** अन्य प्रवर्तक थे। शुरूआत में पंजीकृत पूंजी*** आरएमबी थी। केमिकल फैक्ट्री को एक कंपनी के रूप में परिवर्तित किया गया था और चीनी कंपनी कानून के अंतर्गत जून 2003 में *** (केमिकल ग्रुप कंपनी) के नाम से निगमित किया गया था। वर्ष 2000 में

केमिकल स्टॉक कंपनी ने पीटीएफई के विनिर्माण हेतु *** (रेजिन प्रोसेस कंपनी) के नाम से एक नई संयुक्त उद्यम कंपनी शुरू करने के लिए अमरीका की मै0*** के साथ एक संयुक्त उद्यम करार किया था। इस नई कंपनी को *** को निगमित किया गया था। तथापि, रेजिन प्रोसेस कंपनी ने *** से ही प्रचालन करना शुरू किया था। रेजिन प्रोसेस कंपनी के *** (***) और *** (अमरीका) *** (***) धारक थे।

16. *** (बिजिनेस) कंपनी लि0 के नाम से निजी व्यक्तियों के स्वामित्व की एक पृथक कंपनी ***, *** को शुरू की गई थी और यह रसायनों के क्रय और विक्रय में लगी हुई थी। *** ने *** स्थित केमिकल स्टॉक कंपनी से पीटीएफई विनिर्माण परिसम्पत्तियाँ खरीदीं। इस प्रयोजनार्थ केमिकल स्टॉक कंपनी की परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन *** परिसम्पत्ति मूल्यांकन ऑफिस कं0 लि0 नामक स्वतंत्र परामर्शदात्री फर्म द्वारा किया गया था। दिनांक 24 दिसंबर, 2002 से *** का नाम परिवर्तित होकर ताइझोऊ मिलान फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी लि0 (फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी) हो गया। दिनांक 3 मार्च, 2003 से फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी का नाम बदल कर *** हो गया। दिनांक 31 अगस्त, 2004 से नाम पुनः बदल कर ताइझोऊ मिलान फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी लि0 (फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी) हो गया। फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी ने *** द्वारा धारित रेजिन प्रोसेस कं0 के *** शेयर खरीदे। हस्तांतरण *** को हुआ।
17. सत्यापन दौरे के दौरान जियांग्सु मिलान ग्रुप की वेब साइट को देखा गया। वेबसाइट भारत स्थित घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतीकरणों में किए गए उल्लेख जैसी थी। वेबसाइट में *** का संगठन चार्ट अंग्रेजी तथा चीनी भाषाओं में दर्शाया गया था। चार्ट का अंग्रेजी रूपान्तर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए चार्ट जैसा था। तथापि, संगठन चार्ट का चीनी रूपान्तर काफी अलग था। पीटीएफई के विनिर्माण हेतु संयंत्र एवं मशीनरी का स्वामित्व फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी के पास है। फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी द्वारा पीटीएफई का विनिर्माण किया जाता है। उसके द्वारा 30.6.2003 तक पीटीएफई का विनिर्माण भी किया जा रहा था। दिनांक 30.6.2003 तक फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी द्वारा उत्पादित पीटीएफई को घरेलू बाजार में असंबद्ध पक्षकारों अथवा रेजिन प्रोसेस कंपनी को बेचा जाता था। उसके पास चीन से बाहर वस्तुओं के निर्यात के लिए कोई प्राधिकार नहीं था। रेजिन प्रोसेस कंपनी के पास आवश्यक निर्यात प्राधिकार हैं। इसलिए रेजिन प्रोसेस कंपनी

द्वारा फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी से पीटीएफई खरीद कर उसे चीन से बाहर निर्यात किया जाता था ।

18. अतः क्षति अवधि के प्रथम भाग में फ्लोरीन मैटेरियल कंपनी द्वारा संबंधित उत्पाद का दिनिर्माण एवं घरेलू बिक्री की गई और रेजिन प्रोसेस कंपनी ने उसका निर्यात किया। जांच अवधि के दूसरे भाग के दौरान रेजिन प्रोसेस कंपनी ने संबंधित उत्पाद का उत्पादन तथा घरेलू बिक्री और निर्यात दोनों किए ।
19. प्रथम मापदण्ड अर्थात् कच्ची सामग्री, प्रौद्योगिकी लागत, उत्पादन, बिक्री तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों और निविष्टियों के बारे में ऐसे देश में संबंधित फर्मों के निर्णय बाजार संकेतकों पर आधारित तथा राज्य के हस्तक्षेप के बिना होते हैं, के संबंध में प्राधिकारी ने ऊपर उल्लिखितानुसार निर्यातक उत्पादकों के शेयरधारिता के पैटर्न की जांच की । यह देखा गया था कि जून 2003 तक रेजिन प्रोसेस कंपनी की अधिकांश शेयरधारिता का स्वामित्व राज्य के पास था और इसलिए जांच अवधि के दौरान अत्यधिक राज्य हस्तक्षेप हमेशा ही विद्यमान था । इसके अतिरिक्त, इस तथ्य के संबंध में कि मुख्य निविष्टियों की लागतें पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रदर्शित करती हैं, यह दर्शाने के लिए कि कच्ची सामग्रियों की खरीद ऐसी कीमतों पर की गई जो बाजार मूल्यों के अनुरूप थीं, सत्यापन दौरे के दौरान कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया था । प्राधिकारी द्वारा जाँच किए गए अन्य मापदण्डों के बारे में यह नोट किया गया था कि निर्यातक उत्पादक पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार परिकल्पनाओं का खंडन नहीं कर सके ।
20. इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि निर्यातक उत्पादक ने इस बात के लिए पर्याप्त सूचना प्रस्तुत नहीं की कि वे बाजार अर्थव्यवस्था परिस्थितियों के तहत प्रचालन कर रहे थे ।

सामान्य मूल्यों के निर्धारण के संबंध में निष्कर्ष

21. मौके पर सत्यापन के दौरान किए गए प्रस्तुतीकरणों तथा तर्कों को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकालने का प्रस्ताव किया जाता है कि संगत प्रक्रिया के अनुसार, जहाँ राज्य द्वारा कंपनी के निर्णय पर कानूनी या वास्तविक रूप से अत्यधिक प्रभाव डालने की संभावना है, यह विचार किया गया है कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 का खंडन करने वाले बुनियादी मापदण्ड को पूरा नहीं किया

गया है । अतः यह निष्कर्ष निकालने का प्रस्ताव किया जाता है कि मै0 शान्डाँग अथवा मै0 तुझोऊ मिलान पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 में यथाउल्लिखित परिकल्पनाओं का खण्डन नहीं कर सके और इसलिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पञ्चा 1-6 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है । तत्पश्चात्, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 से संबंधित प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है, जिसमें यह कहा गया है कि:

7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत या परिकल्पित मूल्य, अथवा ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव नहीं हो वहाँ उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए यदि आवश्यक हो तो उचित रूप से समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान योग्य कीमत सहित अन्य उचित आधार पर किया जाएगा ।

22. इस मामले में यह निर्धारित किया गया है कि जांच अवधि के दौरान (और पूर्ववर्ती वर्षों में भी) भारत को अन्य देशों के निर्यात भारत में कुल आयातों के 60% से अधिक थे और याचिकाकर्ताओं द्वारा ऐसा कोई दावा नहीं किया गया है कि वे आयात पाटित कीमतों पर किए गए हैं । अतः, सामान्य मूल्य का निर्धारण जांच अवधि के दौरान भारत को किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत के रूप में किया गया है । उचित तीसरे देश के निर्धारण के लिए भारत के तीसरे देशों से आयातों के सौदे-वार आंकड़ों की जांच की गई और यह देखा गया कि संबद्ध देश से 233 मी.टन के आयातों की तुलना में जांच अवधि के दौरान नीदरलैंड से आयातों की मात्रा 240 मी.टन थी । अतः, भारत को नीदरलैंड के निर्यातों की मात्रा को चीन जन.गण. से भारत को निर्यातों के साथ तुलनात्मक माना गया । इस प्रकार, चीन जन.गण. के लिए देश-वार सामान्य मूल्य का निर्धारण जांच अवधि के दौरान नीदरलैंड से भारत के लिए कीमत के रूप में किया गया है । कारखानाद्वारा सामान्य मूल्य निकालने के लिए भाड़े, कमीशन, बीमा आदि के लिए उचित समायोजन करके सामान्य मूल्य को मानकीकृत किया गया था ।

निर्यात कीमत

शान्डाँग डाँग्युई पॉलीमर मैटेरियल कं० लि० (शान्डाँग), चीन जन.गण., मै० ताइझोऊ मिलान रेजिन प्रोसेस कं० लि० (रेजिन प्रोसेस) तथा मै० ताइझोऊ मिलान फ्लोरीन मैटेरियल कं० लि० (फ्लोरीन मैटेरियल)

23. निर्यातकों द्वारा रखे गए मूल रिकॉर्डों के साथ ऊपर उल्लिखित फर्मों द्वारा भारत को निर्यातों से संबंधित परिशिष्टों की जांच की गई थी और निर्यातकों द्वारा भाड़े, बैंक प्रभारों आदि के संबंध में किए गए दावों का सत्यापन किया गया था और सभी तीन सहयोगी निर्यातकों, जिन्होंने सूचना प्रस्तुत की थी और जिनके लिए आंकड़ों की जांच की गई थी, के लिए कारखाना द्वार स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया था ।

पाटन मार्जिन

24. सहयोगी निर्यातकों के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए पूर्ववर्ती पैराग्राफों में निर्धारित किए गए देश-वार सामान्य मूल्य की तुलना सहयोगी निर्यातकों की कारखाना द्वार स्तर पर भारित औसत निर्यात कीमत के साथ की गई थी । ग्रेड-वार आधार पर पाटन मार्जिन की जाँच करने हेतु विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के संबंध में यह नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने नीदरलैंड (तीसरे देश) से भारत को और चीन जन.गण. से भारत को सौदे-वार आँकड़ों की जाँच की है और वे जाँच अवधि के दौरान भारत में ग्रेड-वार आयातों मात्रा एवं कीमत के बारे में निश्चित रूप से निर्णय नहीं कर सके । यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग तथा निर्यातक उत्पादकों ने कुछेक ग्रेडों के ए एस टी एम वर्गीकरण का हिस्सा होने के बारे में भिन्न-भिन्न दावे किए थे । अतः, यह निर्णय लिया गया था कि चीन जन.गण. तथा नीदरलैंड से भारत में आयातों के मामले में जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की एक भारित औसत निर्यात कीमत अधिक उचित होगी ।

अन्य उत्पादकों एवं निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

25. अन्य निर्यातकों के लिए, जिन्होंने प्राधिकारी के समक्ष सूचना प्रस्तुत नहीं की थी, निर्यात कीमत का निर्धारण जांच अवधि के दौरान चीन जन.गण. से भारत को न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर किया गया था । अन्य उत्पादकों तथा निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारणार्थ पूर्ववर्ती पैराग्राफों में निर्धारित देश-वार सामान्य मूल्य की तुलना कारखाना-द्वार स्तर पर निर्यात कीमत से की गई है ।

पाटन मार्जिन:

देश	उत्पादक/निर्यातक का नाम	सामान्य मूल्य अम.डा.	निर्यात कीमत अम.डा.	पाटन मार्जिन%
चीन जन. गण.	शान्झोंग डॉंगयुई पॉलीमर मैटेरियल कं० लि०	***	***	37%
	ताइझोऊ मिलान रेजिन प्रोसेस कं० लि० तथा ताइझोऊ मिलान फ्लोरीन मैटेरियल कं० लि०	***	***	40%
	सभी अन्य उत्पादक/निर्यातक	***	***	46.8%

च. क्षतिघरेलू खपत/माँग26. घरेलू खपत/माँग

विचाराधीन उत्पाद की घरेलू खपत/माँग के परिकलन के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा को भारत में संबद्ध वस्तु के कुल आयातों के साथ जोड़ा गया है। इस आधार पर यह देखा गया है कि घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की घरेलू माँग या खपत में वृद्धि हुई है जिसे नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:-

(इकाई मी.टन)

वर्ष	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
आयात-चीन	7.35	10.65	52.60	233.24
सूचीबद्ध	100.00	144.78	715.27	3171.54
वर्ष-दर-वर्ष		44.78	394.05	343.40

परिवर्तन				
आयात-रूस	118.49	155.90	171.78	137.00
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		31.57	10.19	-20.25
आयात-अन्य देश	266.55	410.32	548.41	638.35
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		53.94	33.65	16.40
सूचीबद्ध	100	102.3	80.6	81
मांग	764	958	1073	1310
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		28.94	4.4	4.9

27. यह भी नोट किया गया है कि विचाराधीन उत्पाद की माँग में प्रति वर्ष वृद्धि हो रही है। यह भी नोट किया गया है कि रूस द्वारा भी पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तु का निर्यात किया जा रहा है (पहले की समीक्षा जाँचों में जारी जाँच परिणामों के अनुसार) और निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पहले ही अगले पाँच वर्षों के लिए पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश की है। प्राधिकारी ने रूस तथा अन्य देशों से आयातों की जाँच की है और यह पाया है कि जाँच अवधि में रूस तथा अन्य देशों से आयातों में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है जबकि चीन ने जाँच अवधि में काफी वृद्धि प्रदर्शित की है।

संबद्ध देश तथा अन्य देशों के मूल के आयात

आयातों की मात्रा

28. चीन जन.गण. तथा अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा नीचे सारणी में दी गई है:

इकाई: मी.टन

वर्ष	2000-01	2001-02	2002-03	जाँच अवधि
आयात-चीन जन.गण	7.35	10.65	52.60	233.24
सूचीबद्ध	100.00	144.78	715.27	3171.54
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		44.78	394.05	343.40

आयात-रूस	118.49	155.90	171.78	137.00
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		31.57	10.19	-20.25
आयात-अन्य देश	266.55	410.32	548.41	638.35
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		53.94	33.65	16.40
कुल आयात	392.40	576.87	772.79	1008.58
सूचीबद्ध	100	147.01	196.94	257.03
माँग	764	958	1073	1310
सूचीबद्ध	100	125.27	140.33	171.36
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		25.27	12.02	22.11

29. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि चीन जन.गण. से हुए आयातों में कई गुणा वृद्धि हुई है। आगे यह भी नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में विचाराधीन अवधि के दौरान घरेलू उपभोग में 71% की वृद्धि हुई। माँग में समान एवं विशिष्ट वृद्धि हुई है ; विचाराधीन अवधि में पाटित आयातों की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई।

कुल आयातों में सम्बद्ध देश का हिस्सा

30. चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों के हिस्से में विचाराधीन अवधि में नीचे दर्शायी गयी सारणी के अनुसार पर्याप्त वृद्धि हुई:-

वर्ष	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
आयातों में बाजार हिस्सा %				
चीन जन.गण. (मी. टन)	7.35	10.65	52.60	233.24
हिस्सा (%)	1.87	1.85	6.81	23.13
रूस (मी. टन)	118.49	155.90	171.78	137.00
हिस्सा (%)	30.20	27.03	22.23	13.58
अन्य देश (मी. टन)	266.55	410.32	548.41	638.35
हिस्सा (%)	67.93	71.13	70.96	63.29

31. यह देखा गया है कि भारतीय उत्पादन एवं उपभोग के संबंध में भी कुल आयातों में चीन का हिस्सा न केवल विशिष्ट रहा है बल्कि उसी समय में उसमें वृद्धि भी हुई है। आगे यह नोट किया जाता है कि रूस एवं अन्य देशों ने अपना बाजार हिस्सा खोया है। यह भी नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. की अपेक्षा अन्य देशों के बाजार हिस्सों में कमी और चीन के बाजार हिस्से में वृद्धि चीन की कीमतों में कमी के कारण हो सकती है जैसाकि चीन के निर्यातकों ने विशिष्ट रूप से एवं लगातार अपनी कीमतें घटायीं हैं।

कुल मांग में पाटित आयातों का बाजार हिस्सा

32. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु की माँग/उपभोग में चीन से हुए पाटित आयातों के हिस्से की जाँच की है। यह देखा जा सकता है कि 2000-01 में चीन का हिस्सा जो 0.96% था, में जाँच अवधि में 18% की वृद्धि हुई।

वर्ष	2000-01	2001-02	2002-03	जाँच अवधि
माँग में बाजार हिस्सा (%)				
घरेलू उद्योग	48.67	39.76	27.96	23.01
चीन	0.96	1.11	4.90	17.80
रूस	15.50	16.28	16.01	10.46
अन्य देश	34.87	42.85	51.12	48.73
बाजार हिस्सों में परिवर्तन -आधार वर्ष से				
चीन जन.गण.	-	0.15	3.79	12.90
रूस	-	0.78	-0.27	-5.56
अन्य देश	-	7.98	8.28	-2.39

33. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि इन वर्षों में घरेलू उद्योग ने पर्याप्त बाजार हिस्सा खोया है जिस पर संबद्ध देश से पाटित आयातों ने अधिकार कर लिया है। इसके अलावा बाजार हिस्सों में चीन की बढ़त पर्याप्त एवं लगातार बनी हुई है जबकि चीन जन.गण. के अलावा अन्य देशों की वृद्धि 2002-03 तक सकारात्मक थी, जाँच अवधि के दौरान नकारात्मक हो गयी।

भारत में उत्पादन से संबंधित पाटित आयात

34. घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में संबद्ध देश से पाटित आयातों में पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई । इस उद्देश्य के लिए, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं पाटित आयातों पर अलग-अलग विचार किया है । यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि भारत में घरेलू उद्योग के उत्पादन से संबंधित पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है, जैसाकि निम्न सारणी से देखा जा सकता है:

वर्ष	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
उत्पादन मी.टन	362.98	342.92	401.39	247.95
चीन जन.गण से हुए आयात मी.टन	7.35	10.65	52.60	233.24
रूस से हुए आयात मी.टन	118.49	155.90	171.78	137.00
उत्पादन के संबंध में चीन जन.गण. से हुए आर्यैत	2.03	3.25	13.23	88.65
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		1.22	9.98	75.42
उत्पादन के संबंध में रूस से हुए आर्यैत	32.64	45.46	42.80	55.25

35. उपर्युक्त जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विचाराधीन अवधि के दौरान चीन से हुए पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है । घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में रूस से हुए आयातों में भी सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित होती है ।

आयात कीमत का क्रमिक विकास

36. विचाराधीन अवधि के दौरान चीन से मूल आयातों की औसत सी आईएफ कीमतों में पर्याप्त कमी हुई । विचाराधीन अवधि के दौरान कीमतों में लगातार कमी आयी जैसाकि निम्न सारणी से स्पष्ट है:

रू. प्रति किग्रा.	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
सीआईएफ निर्यात कीमत - चीन	380.57	310.62	252.96	238.43
सूचीबद्ध	100	81.62	66.47	62.65
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		-18.38	-18.56	-5.75
सीआईएफ निर्यात कीमत - रूस	364.04	355.63	322.97	305.86
सूचीबद्ध	100	97.69	88.72	84.02
वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन		-2.31	-9.18	-5.30

37. यह देखा जा सकता है कि सी आई एफ आयात कीमत में कमी के परिणामस्वरूप चीन जन.गण. से आयातों की पहुंच मूल्य में पर्याप्त रूप से कमी आई ।

कीमत कटौती (कीमत यूसी) एवं कीमत ह्रास

38. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति और चीन से आयातों की पहुंच मूल्य के बीच तुलना की गयी है । असम्बद्ध उपभोक्ताओं के संबंध में घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति भाड़ा एवं परिवहन, छूटों तथा कमीशनों, रिबेट एवं करों की निवल मानी गयी थी । पहुंच मूल्य की गणना करने के लिए चीन की सीआईएफ कीमतों को आयात पश्चात मूल सीमाशुल्क के लिए जोड़ा गया था ।

रू. प्रति किग्रा.	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
सीआईएफ निर्यात कीमत - चीन	380.57	310.62	252.96	238.43
सूचीबद्ध	100	81.62	66.47	62.65

पहुंच मूल्य -चीन	532.37	407.84	332.14	301.01
सूचीबद्ध	100	76.61	62.39	56.54
सीआईएफ निर्यात कीमत - रूस	364.04	355.63	322.97	305.86
सूचीबद्ध	100	97.69	88.72	84.02
पहुंच मूल्य -रूस	509.24	466.94	424.06	386.15
सूचीबद्ध	100	91.69	83.27	75.83
निवल बिक्री प्राप्ति	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	105.20	96.37	88.91
कीमत कटौती- चीन				सिगनिफिकेंट
कीमत कटौती %				25-35%
कीमत कटौती- रूस				सिगनिफिकेंट
% कीमत कटौती				5.92
संबद्ध देश एवं रूस के अलावा अन्य देशों से हुए आयातों का पहुंच मूल्य				446
संबद्ध देश एवं रूस के अलावा अन्य देशों से हुए आयातों की कीमत कटौती				-36
रु० प्रति किग्रा.	जांच अवधि			
शैन्डांग पहुंच मूल्य	***			
ताइझू मिलान पहुंच मूल्य	***			

कीमत कटौती शैन्डाँग	सिगनिफिकेंट
कीमत कटौती % शैन्डाँग	25-35%
कीमत कटौती ताइझू	सिगनिफिकेंट
कीमत कटौती ताइझू	20-30%

यह तुलना में दर्शाती है कि जांच अवधि के दौरान चीनी मूल की संबद्ध वस्तुएं घरेलू बाजार में उन कीमतों पर बेची गयी थीं जो घरेलू उद्योग की कीमतों से काफी कम थीं। जांच-अवधि के दौरान कीमतों में जो कटौती की गयी थी वह काफी अधिक थी। यह बात भी नोट की जाती है कि घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक ह्रास हुआ है क्योंकि बिक्री कीमतों से क्षति जांच अवधि के दौरान कीमतों में निरन्तर गिरावट का रुख प्रदर्शित होता है।

घरेलू उद्योग की स्थिति

प्रारंभिक टिप्पणियाँ

39. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभावों की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध II(iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन आदि जैसे सभी सूचकों, जिनका उद्योग की स्थिति पर पड़ता है, पर विचार किया।

बिक्री मात्रा (मी.टन)

वर्ष	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
बिक्री	372.07	380.8	299.96	301.4
प्रवृत्ति	100	102.35	80.62	81.01
मांग	764	958	1073	1310
प्रवृत्ति	100	125.27	140.33	171.36
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	48.67	39.76	27.96	23.01

40. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में 380 मी.टन से 301 मी.टन तक प्रभावी गिरावट आई । इसी समय उत्पाद की मांग में पर्याप्त सकारात्मक सुधार प्रदर्शित हुआ । उपर्युक्त से यह प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग ने न केवल विद्यमान बिक्रियां गंवाई बल्कि ऐसी बिक्रियाँ भी गंवाई जिन्हें वह मांग में वृद्धि के साथ प्राप्त करता ।

लाभ

41. घरेलू उद्योग की प्रति इकाई उत्पादन तथा बेची गई मात्रा के लिए लाभ/हानि निम्नानुसार थी:

सूचीकृत	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
पीबीआईटी (रू./किग्रा.)	(100.00)	(61.57)	(250.73)	(876.87)
ब्याज (रू./किग्रा.)	100.00	104.96	104.18	119.75
बिक्री पर ब्याज के पश्चात निवल लाभ/हानि	(100.00)	(94.00)	(141.20)	(311.00)
ब्याज के पश्चात निवल लाभ/हानि लाख रू.	(100.00)	(88.93)	(156.37)	(212.76)
ब्याज पूर्व निवल लाभ/हानि लाख रू.	(100.00)	(58.15)	(277.23)	(518.25)

42. उपर्युक्त विश्लेषण में *** लाख रू० की रकम शामिल है जो कंपनी द्वारा अपने खाते में धारक कंपनी एचओसीएल को ब्याज भुगतान के लिए प्रदान की गई है । तथापि यह पाया गया है कि कंपनी ने क्षति अवधि के सभी वर्षों में इस रकम का सतत रूप से प्रावधान किया तथा एचओसीएल को वास्तव में किसी रकम का भुगतान नहीं किया गया । कंपनी द्वारा संयंत्र की स्थापना करते समय कंपनी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋण के वापसी भुगतान करने के लिए याचिकाकर्ता कंपनी

को एचओसीएल द्वारा दिए गए ऋण पर ब्याज की रकम को प्रभावी रूप से प्रदर्शित करता है जिसकी वास्तविक पुनर्भुगतान रकम रूपए के काफी अवमूल्यन के कारण अत्यधिक बढ़ गई थी। प्राधिकारी विचार करते हैं कि उन पर देय ऋण तथा ब्याज पाटन से इतर कारकों के कारण घरेलू उद्योग द्वारा वहन की गई क्षति को प्रस्तुत करते हैं तथा इसीलिए ऋण तथा मूल राशि को घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण के लिए पृथक किया जाना चाहिए। इस प्रभाव को पृथक करने के बाद घरेलू उद्योग के लाभ निम्नानुसार होंगे:

सूचीकृत	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
पीबीआईटी	(100.00)	(88.80)	(156.15)	(212.45)
ब्याज	100.00	99.49	113.84	108.38
पीबीआईटी	(100.00)	(2.04)	(499.66)	(1,057.43)
ह्रास	100.00	91.16	92.64	79.99
पीबीआईडीटी	100.00	122.12	(48.74)	(259.54)

43. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि कंपनी 2001-02 तक नकद लाभ में चल रही थी। वर्ष 2002-03 में इसे थोड़ा घाटा हुआ जो जांच अवधि में काफी बढ़ गया था।

उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग

44. घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग निम्नानुसार रहे हैं-

वर्ष	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
पीबीआईटी	500	500	500	500
क्षमता मी.टन	362.98	342.92	401.39	247.95
सूचीकृत	100.00	94.47	110.58	68.31
क्षमता उपयोग	72.59	68.58	80.27	49.59
उपयोग में वर्ष- दर-वर्ष परिवर्तन	-	-4.01	11.69	-30.69

उपर्युक्त से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग का उत्पादन 2002-03 तक बढ़ रहा था। इसमें जांच अवधि के दौरान गिरावट आई। क्षमता उपयोग में समान

प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है तथा इसमें क्षति अवधि के दौरान 50% से अधिक की कमी आई ।

घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

45. घरेलू उद्योग तथा भारत में मांग/खपत में पाटित आयातों का हिस्सा तालिका में निम्नानुसार दिया गया है:

इकाई: मी.टन

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
मांग (मी.टन)	764	958	1073	1310
घरेलू उद्योग की बिक्री (मी.टन)	372.07	380.8	299.96	301.4
चीन जन.गण. से आयात	7.35	10.65	52.60	233.24
रूस से आयात	118.49	155.90	171.78	137.00
आयात - अन्य देश	266.55	410.32	548.41	638.35
मांग में बाजार हिस्सा%				
घरेलू उद्योग	48.67	39.76	27.96	23.01
आयात - चीन जन.गण.	0.96	1.11	4.90	17.80
आयात-रूस	15.50	16.28	16.01	10.46
आयात-अन्य देश	34.87	42.85	51.12	48.73
बाजार हिस्से में परिवर्तन (वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तन)				
चीन जन.गण		0.15	3.79	12.90
रूस		0.78	-0.27	-5.56
अन्य आयात		7.98	8.28	-2.39
घरेलू उद्योग		-8.91	-11.80	-4.95

46. यह देखा गया है कि मांग घनात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित करता है तथा इसी समय घरेलू उद्योग की बिक्री ऋणात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित करती है । परिणामस्वरूप मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है ।

रोजगार तथा मजदूरी

47. घरेलू उद्योग के रोजगार स्तर में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुए है। घरेलू उद्योग द्वारा चुकाई गई मजदूरी घनात्मक प्रवृत्ति दर्शाती है। प्रति इकाई उत्पादन मजदूरी भार में 2000-01 से 2002-03 के बीच गिरावट आई तथा उत्पादन स्तर में तीव्र गिरावट के फलस्वरूप जांच अवधि में इसमें वृद्धि हुई।

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
रोजगार (संख्या)	220	220	218	218
मजदूरी (उत्पादन की प्रति इकाई)	364.62	366.32	371.26	403.67

उत्पादकता

वर्ष	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
उत्पादन	362.98	342.92	401.39	247.95
प्रतिदिन/मी.टन उत्पादन	1.04	0.98	1.15	0.71
वर्ष दर वर्ष परिवर्तन		-0.06	0.17	-0.44
कर्मचारी	220	220	218	218
प्रति कर्मचारी/मीटन प्रति दिन उत्पादकता	1.65	1.56	1.84	1.14

48. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता 2002-03 तक बढ़ रही थी तथा जांच अवधि में इसमें काफी गिरावट आई। उत्पादकता में गिरावट घरेलू उद्योग की उत्पाद को बेचने की असमर्थता के कारण हो सकती है।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

रु० प्रति किग्रा.	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
निवल बिक्री वसूली सूची	100.00	105.20	96.37	88.91
पहुंच मूल्य - चीन	232.37	407.84	332.14	301.01
कीमत कटौती - चीन	नकारात्मक	पर्याप्त	पर्याप्त	पर्याप्त
पहुंच मूल्य-रूस	509.24	466.94	424.06	386.15
कीमत कटौती- रूस	नकारात्मक	पर्याप्त	पर्याप्त	पर्याप्त

49. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतें लगातार निम्नतर स्तर पर आ रही हैं। यह नोट किया जाता है कि अन्य कारकों में से आयातों का स्तर घरेलू कीमतों का निर्धारण करता है। घरेलू बाजार में बाजार कीमतें पाटित कीमतों पर पाटित आयातों की उच्चतर मात्रा द्वारा नीचे ला दी गई प्रतीत होती है। आगे यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से कीमत कटौती काफी अधिक है तथा संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कीमत ह्रास भी काफी अधिक है।

निवेश पर आय

%	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
बही में प्रदत्त ब्याज पर विचार करते हुए				
ब्याज पूर्व लाभ	(100.00)	(58.15)	(277.23)	(518.25)
ब्याज पश्चात लाभ	(100.00)	(88.93)	(156.37)	(212.76)
लगाई गई पूंजी	100.00	103.10	102.65	82.68
आय-ब्याज पूर्व	(100.00)	(56.36)	(270.34)	(627.33)
आय-ब्याज पश्चात	(100.00)	(86.15)	(152.09)	(256.95)
एचओसीएल को देय लाभ लेकिन सम्पूर्ण क्षति अवधि में चुकता न किए गए ब्याज को छोड़कर				
लाभ-ब्याज पूर्व	100	138.13	-61.48	-281.06
आय-ब्याज पूर्व	100	133.91	-59.92	-339.69

50. यह देखा जाता है कि लगाई गई पूंजी पर घरेलू उद्योग की आय में अत्यधिक गिरावट आई है।

नकद प्रवाह पर प्रभाव:

51. याचिकाकर्ता सीएफएम के उत्पादन में भी शामिल है जो सीएफएम के उत्पादन हेतु एक मध्यवर्ती उत्पाद है और बाजार में इसे बेचा जा रहा है। घरेलू उद्योग का नकद प्रवाह, समग्र रूप में कंपनी से संबद्ध प्रचालनों को प्रदर्शित करता है, इसमें सीएफएम के प्रचालन भी शामिल हैं, जिसमें कंपनी को लाभ हो रहा है। तथापि, प्राधिकारी ने केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में नकद लाभ के संदर्भ में घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच की है। चूंकि संपूर्ण क्षति अवधि में उसके संवर्धक मै0 एचओसीएल को ब्याज का भुगतान नहीं किया गया है इसलिए नकद लाभ का निर्धारण, एचओसीएल को देय ब्याज को छोड़कर किया गया है। इसके अतिरिक्त नकद प्रवाह का निर्धारण भी केवल विचाराधीन उत्पादन के लिए किया गया है, जिसकी स्थिति निम्नानुसार है:-

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
नकद लाभ	100.00	177.41	(493.59)	(1,124.18)
नकद प्रवाह - कंपनी	-196.08	-211.65	-329.77	-37.65

52. उपर्युक्त से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग की नकद लाभ की स्थिति में जांच की अवधि के दौरान लगातार गिरावट आई।

वस्तु सूची

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
प्रारंभिक स्टॉक	83.65	74.56	36.68	132.43
अंतिम स्टॉक	74.56	36.68	138.12	78.98
घरेलू उद्योग का उत्पादन	362.98	342.92	401.39	247.95
औसत स्टॉक	79.11	55.62	87.40	105.71

बिक्री	372.07	380.8	299.96	301.4
प्रति दिन की बिक्री	(100.00)	(102.83)	(81.13)	(81.13)
बिक्री के दिनों के लिए पर्याप्त स्टॉक	(100.00)	(68.70)	(137.05)	(164.96)
उत्पादन के % के रूप में स्टॉक	21.79	16.22	21.77	42.63

53. उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2000-01 एवं वर्ष 2001-02 के बीच घरेलू उद्योग की वस्तु सूचियों में गिरावट आई । तथापि वर्ष 2002-03 और जांच अवधि में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई ।

पूंजी निवेश करने की क्षमता

54. कंपनी वित्तीय घाटे का सामना कर रही है और उसे पूंजी निवेश में कठिनाई हो सकती है ।

वृद्धि

55. घरेलू उद्योग उत्पाद की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद उत्पादन एवं बिक्री के संबंध में नकारात्मक वृद्धि का सामना कर रहा है, जैसाकि निम्न तालिका से देखा जा सकता है:-

	2000-01	2001-02	2002-03	जांच अवधि
सूचीबद्ध बिक्री	100.00	102.35	80.62	81.01
सूचीबद्ध मांग	100.00	128.94	134.61	141.20
पीबीआईडीटी सूचीबद्ध	100.00	122.12	(48.74)	(259.54)
मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	100.00	122.12	(48.74)	(259.54)
औसत वस्तु सूची	100.00	70.31	110.48	133.62

56. अतः उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग को विभिन्न मानदंडों के संदर्भ में नकारात्मक वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है ।

निष्कर्ष:

57. संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र स्तर पर तथा कुल आयातों के संबंध में और भारत से संबद्ध वस्तुओं की कुल मांग के संबंध में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । पाटित आयातों के कारण कीमतों पर काफी प्रभाव पड़ा है जिसके परिणामस्वरूप कीमत मन्दी, कीमत कटौती तथा कीमत ह्रास हुए हैं । कटौती मार्जिन तथा कीमत ह्रास का निर्धारण कर लिया गया है और उन्हें महत्वपूर्ण माना जा रहा है । आगे यह नोट किया गया है कि बिक्री मात्रा में अत्यधिक गिरावट, वित्तीय निष्पादन में निरंतर ह्रास, बाजार हिस्से की मांग में कमी (वर्ष 2001-2002 में प्रदर्शित वृद्धि के पश्चात अत्यधिक गिरावट), जांच अवधि के दौरान सकारात्मक कीमत कटौती, सकारात्मक कीमत ह्रास, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर लगाई गई पूंजी पर आय में गिरावट, औसत स्टॉक में वृद्धि से क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में अत्यधिक गिरावट का पता चलता है । संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन काफी अधिक है । उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

छ. कारणात्मक संबंध

(क) प्रस्तावना:

58. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में अपने निष्कर्षों पर पहुंचने के लिए और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अनुसार तथा यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के तहत नियम 11 के अनुबंध II के पैरा (v) के अनुसार, प्राधिकारी ने इस स्थिति में उद्योग पर सभी ज्ञात कारकों के प्रभाव और उनके परिणामों की जांच की है । पाटित आयातों के अतिरिक्त अन्य ज्ञात कारक, जिनसे घरेलू उद्योग को उसी अवधि में क्षति पहुंचने की संभावना थी, की जांच भी यह सुनिश्चित करने के लिए की गई कि इन अन्य कारकों से हुई संभावित क्षति का कारण पाटित आयात नहीं हैं ।

(ख) पाटित आयातों का प्रभाव

59. वर्ष 2000-01 और जांच अवधि के बीच आयातों की मात्रा में कई गुना वृद्धि (3000% से अधिक) से भारत में चीन के आयातों के हिस्से में मांग/खपत में (17.50% तक) वृद्धि हुई। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट (52.72% तक) आई। कुल आयातों (1.87% से 23.13% तक) तथा कुल मांग (0.96% से 17.80%) में संबद्ध देश से आयातों में वृद्धि हुई है। इसमें जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा की गई बिक्री के अनुपात के रूप में भी वृद्धि हुई (वर्ष 2000-01 में संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की बिक्री का 1.97% थे, जो जांच अवधि में बढ़कर 77.38% हो गए)। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई। संबद्ध देश से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग को ऐसी कीमतों पर उत्पाद की बिक्री करने से रोका गया, जिनसे वे उत्पादन लागत वसूल करने और समुचित लाभ अर्जित करने में सक्षम हो पाते। इसके अतिरिक्त आयातित उत्पाद और घरेलू उत्पाद के बीच कीमतों के अत्यधिक अंतर के मद्देनजर बिक्री कीमत में कटौती के बावजूद घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आई। इसके कारण, उत्पाद, क्षमता उपयोग, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय के संदर्भ में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई।

अन्य कारकों का प्रभाव(क) अन्य घरेलू उत्पादकों का निष्पादन:

60. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के अलावा संबद्ध वस्तुओं का कोई अन्य घरेलू उत्पादक नहीं था। तदनुसार, घरेलू बाजार में अन्य उत्पादकों के कारण हुई क्षति, घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकती थी।

(ख) मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन अवधि के दौरान समग्र मांग में कोई कमी नहीं हुई। इसके विपरीत, क्षति अवधि के दौरान समग्र मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर भी पहुंचते हैं कि खपत की पद्धति में कोई प्रत्यक्ष परिवर्तन नहीं हुआ है।

(ग) पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा एवं कीमतें

62. उपलब्ध सूचना के अनुसार, संबद्ध देशों के अतिरिक्त अन्य देशों के मूल के संबद्ध उत्पादों की कुल आयात मात्रा जांच अवधि के दौरान कुल आयातों के 60% से अधिक है। तथापि, उनकी कीमतें संबद्ध देश एवं रूस की निर्यात कीमतों से काफी अधिक हैं और इन देशों की निर्यात कीमतों के सामान्य मूल्य से अधिक होने का दावा नहीं किया गया है और उनसे घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती नहीं होती है (वास्तव में गैर-संबद्ध देश से आयातों में अत्यधिक नकारात्मक कीमत कटौती हो रही है) और इसलिए उन्हें घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता है।

(घ) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं प्रतिस्पर्धा तथा संबद्ध वस्तुओं की गुणवत्ता और प्रकारों से संबद्ध मुद्दे

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के लिए एक बाजार है जहां संबद्ध देशों से पाटित आयात, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं से सीधी प्रतिस्पर्धा करते हैं। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि आयातित उत्पाद की बिक्री घरेलू तौर पर उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के समान वाणिज्यिक ग्रेडों और विनिर्दिष्टियों की पूर्ति हेतु की जाती है। आगे यह नोट किया गया है कि आयातित संबद्ध वस्तु और घरेलू तौर पर उत्पादित वस्तु समान उत्पाद हैं और उनका इस्तेमाल समान अनुप्रयोगों/प्रयोग हेतु किया जाता है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं की गुणवत्ता, दर तथा उपलब्धता के विषय में आयातक के तर्कों के संबंध में, यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग, घरेलू समान उत्पाद के विभिन्न ग्रेडों की एक बड़ी संख्या का उत्पादन कर रहा है। अतः ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि याचिकाकर्ता उत्पाद का उत्पादन एवं उसके विभिन्न प्रकारों की आपूर्ति नहीं करता है।

(ङ) प्रौद्योगिकी का विकास, घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन और उत्पादकता

64. एक आयातक ने यह अनुरोध किया है कि मै0 एचएफएल द्वारा खरीदी गई प्रौद्योगिकी इसे खरीदते समय भी पुरानी थी। तथापि, इस आयातक ने इस संबंध में कोई समर्थनकारी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं कि प्रौद्योगिकी का विकास न होना घरेलू उद्योग को हुई क्षति का एक कारण रहा है। याचिकाकर्ता के रिकार्डों की जांच के आधार पर प्राधिकारी मानते हैं कि प्रौद्योगिकी का विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति संगत कारक नहीं रहा है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा समान उत्पादों के कोई निर्यात नहीं किए गए हैं।

(च) अन्य कारक: बीआईएफआर दर्जा एवं घाटा उठाना

65. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों से इतर कारणों से हो सकती है। उच्च ब्याज दर और उच्च उत्पादन लागत का घरेलू उद्योग को हुई क्षति के कारणों के रूप में उल्लेख किया गया है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की लागत संरचना से संबंधित आंकड़ों का सत्यापन किया है और वे घरेलू उद्योग की स्थिति पर उच्च ब्याज दर के प्रभाव का विश्लेषण कर सकते हैं। घरेलू उद्योग को अप्रैल 1994 में बीआईएफआर का दर्जा देने की सिफारिश की गई थी। बीआईएफआर ने अपने दिनांक 19.12.1996 के आदेश संख्या 507/94 में हिन्दुस्तान फ्लोरोकार्बस लि० (एचएफएल) के हिन्दुस्तान आर्गेनिक कैमिकल्स लि० (एचओसीएल) के साथ विलय को अनुमोदित किया था। जैसाकि उसकी 2002-2003 की वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया था, यह उल्लेख किया गया है कि यह कंपनी अब भी बीआईएफआर में है। एचओसीएल (धारक कंपनी) ने एचएफएल के पुनरुद्धार हेतु वैकल्पिक व्यवहार्य प्रस्ताव प्रस्तुत किया है और उसने यही प्रस्ताव पुनर्वास पैकेज के संबंध में आईडीबीआई और बीआईएफआर को प्रस्तुत किया था। अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा की जा रही है। इसके अलावा यह नोट किया जाता है कि कंपनी उस राशि के लिए सभी अवधियों में लेखा पुस्तकों में *** लाख रुपये का ब्याज प्रभारित कर रही है, जो एचओसीएल को बकाया है और जिसका भुगतान नहीं किया गया है। वस्तुतः कंपनी ने भारत सरकार से एचओसीएल को बकाया राशि और उस पर ब्याज को माफ करने का अनुरोध किया है। तथापि, इसे अभी अनुमोदित नहीं किया गया है। आगे यह नोट किया जाता है कि यह ऋण एचओसीएल से विदेशी मुद्रा ऋण का भुगतान करने के लिए लिया गया था, जो विदेशी मुद्रा के साथ भारतीय रुपये के मूल्य में भारी परिवर्तनों के कारण बढ़ गया था। एचओसीएल से ऋण लेने के बाद इस ऋण का भुगतान कर दिया गया है, तथापि ऐसे ऋण पर ब्याज एचओसीएल को देय है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन पर ऐसी उच्च ब्याज लागतों के प्रभाव को अलग रखा है और इसे बाहर रखकर घरेलू उद्योग की स्थिति का विश्लेषण किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ब्याज और ह्रास से पहले वर्ष 2001-2002 तक लाभ कमा रहा था। घरेलू उद्योग को वर्ष 2002-03 में कम घाटे उठाने पड़े जिनमें जांच अवधि में भारी वृद्धि हुई है।
66. जहां तक उत्पादकता में वृद्धि का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन अवधि के दौरान, लगाए गए प्रति व्यक्ति के व्यक्तिगत उत्पादन में घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट के कारण कमी हुई है।

कारणात्मक संबंध से संबंधित निष्कर्ष

67. वर्ष 2000-01 और जांच अवधि के बीच आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि से मांग/खपत में आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के हिस्से में वर्ष 2000-01 और 2001-02 के बीच वृद्धि होने के बाद 2000-01 और जांच अवधि के बीच कमी हुई है। पाटित आयातों के बाजार हिस्से में इस समयावधि के दौरान धीरे-धीरे वृद्धि हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है। संबद्ध देश से आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हुई थी। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग उत्पाद की बिक्री से वह कीमत नहीं प्राप्त कर पाया जिससे वह अपनी उत्पादन लागत वसूल करने और तर्कसंगत लाभ कमाने में सक्षम हो पाता। इससे लाभों, नकद प्रवाह और निवेशों पर आय की दृष्टि से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में काफी विकृति हुई है।
68. उपर्युक्त विश्लेषण जिसमें पाटित आयातों के क्षतिकारी प्रभावों से घरेलू उद्योग की स्थिति पर सभी ज्ञात कारकों के प्रभावों को अलग एवं इनमें अंतर किया गया है, को देखते हुए यह निष्कर्ष निकलता है कि इस प्रकार ये अन्य कारक इस तथ्य को नहीं झुठलाते कि वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।
69. अतः यह निष्कर्ष निकलता है कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से अद्भुत पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ज. भारतीय उद्योग का हित

70. पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे भारतीय उद्योग को क्षति हो रही है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की पुनःस्थिति लाना है जोकि देश के सामान्य हित में है।
71. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू

करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, भारतीय उद्योग का ह्रास रुकेगा और उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

72. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा । उपभोक्ता अब भी पूर्ति के दो या इससे अधिक स्रोत बनाए रख सकते हैं ।

झ. निष्कर्ष:

73. प्राधिकारी पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:

- क. संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;
- ख. घरेलू उद्योग को इससे वास्तविक क्षति हुई है;
- ग. यह क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

74. प्राधिकारी संबद्ध देशों के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके । प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन उपरोक्त पैराग्राफों में दर्शाया गया है । प्राधिकारी पाटन मार्जि के बराबर या उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का प्रस्ताव करते हैं जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी । क्षति का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जाँच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनी की क्षति रहित कीमत के साथ करने का प्रस्ताव है ।

75. तदनुसार प्राधिकारी सिफारिश करते हैं कि चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क शीर्ष 390461 के अंतर्गत आने वाले पोलिटेट्राफ्लोरोएथिलीन (पीटीएफई) के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से केन्द्र सरकार द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । नीचे उल्लिखित संबद्ध देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित सीमा शुल्क टैरिफ के अध्याय 39 के अन्तर्गत आने वाली संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित सारणी के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि तथा प्रति कि.ग्रा. आयातों के पहुँच मूल्य के बीच का अन्तर होगा:-

क्र स	शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	विनिर्देशन	उदभव का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	390461	पोलीटेट्रा- फ्लैरोएथिलीन (पीटीएफइ)	कोई भी	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	शेंडाँग डोंग्यू पोलीमर मैटरियल कंपनी लि.	कोई भी	7.78	कि.ग्रा.	अम.डा.
2.	390461	-वही-	कोई भी	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	ताइझोरु मिलान रेजिन प्रोसेस कं0 लि0	कोई निर्यातक	8.32	कि.ग्रा.	अम.डा.
3.	390461	-वही-	कोई भी	चीन जन. गण.	कोई भी	उपर्युक्त को छोड़कर कोई	कोई भी	8.50	कि.ग्रा.	अम.डा.
4.	390461	-वही-	कोई भी	चीन जन. गण. को छोड़कर कोई	चीन जन. गण.	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	8.50	कि.ग्रा.	अम.डा.

76. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1975.32 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सभी प्रकार के सीमाशुल्क होंगे ।
77. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क, सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी ।
78. प्राधिकारी अधिनियम के संगत प्रावधानों और समय-समय पर इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार समय-समय पर इनमें यथा अनुशंसित निश्चयात्मक उपायों को जारी रखने, उनमें संशोधन करने या उनकी समाप्ति की आवश्यकता की समीक्षा कर सकते हैं । प्राधिकारी द्वारा समीक्षा के लिए किसी अनुरोध पर तब कोई विचार नहीं किया जाएगा यदि कोई हितबद्ध पक्षकार इसे, इस उद्देश्य हेतु निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रस्तुत नहीं करता है ।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट अधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION
New Delhi, the 25th July, 2005
Final Findings

Subject : Anti-dumping investigation concerning imports of Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from the China PR.

No. 14/25/2003-DGAD - Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE:

1. The procedure described below has been followed:-
 - (i) On 27th July 2004, the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, issued a public notice (initiation notification) publicised in the Gazette of India, initiating an anti dumping investigation with regard to imports of PTFE originating in or exported from China PR (Also referred to as subject country). The Anti dumping proceeding was initiated following a complaint received from M/s Hindustan fluorocarbons Ltd, Hyderabad (the applicant) on behalf of the domestic industry representing the entire domestic production of said product. The complaint contained evidence of dumping of the said product and of material injury resulting there from, which was considered sufficient to justify the initiation of the proceedings.
 - (ii) Before initiation, the Authority notified the Embassy of subject country in India about the receipt of fully documented petition made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;

(iii) According to sub rule (2) of the rule 6 supra, the Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporting producers, importers, industry associations, embassy of the country concerned and to the complainant and gave them an opportunity to make their views known in writing.

(iv) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the application to all the known exporters and Embassy of subject country in India. According to sub-rule (4) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the relevant questionnaire to all the known exporters and Embassy of subject country in India and other interested parties. The Embassy of subject country in New Delhi were also informed about the initiation of investigation and requested to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time

(v) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following known exporters from subject country.

1. M/s. Shandong Dongyue Chemical Co Ltd, China PR.
2. M/s. Zhengxin Fluorocarbons, Jiangu, China PR
3. M/s. Changzhou Xiangtong Chemical Co Ltd, China PR.

(vi) The following producers/exporters from China PR have responded to the exporter's questionnaire and notice of initiation.

1. M/s. Shandong Dongyue Polymer Material Company Ltd
2. M/s. Taizhou Meilan Resin Process Co. Ltd.
3. M/s. Taizhou Meilan Fluorine Material Company. Ltd.

(vii) The following importers have responded to the notice of initiation.

1. M/s. Plastic Products Engineering Co, Ahmedabad
2. M/s. Aflon Engineering Corporation, a unit of Afloan Engineering Pvt. Ltd, Ahmedabad
3. M/s. Dip-Flon Engineering & Co.
4. M/s. Poly Fluoro Products
5. M/s. Fluoro Plast
6. M/s. Kapendra Fluoro Polymers Pvt. Ltd.
7. M/s. Amruta Industries
8. M/s. Duflon Polymers Pvt. Ltd.
9. M/s Automat Industries, Ahmedabad
10. M/s Garg Associates Private Ltd, Ghaziabad.
11. M/s Sanghvi products, Ahmedabad.

However, none of the importers has responded to the importers questionnaire. Their submissions, however, have been taken into account to the extent considered relevant to the investigation.

(viii) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties;

(ix) In this notification **** represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

(x) The investigation of dumping and injury covered the period from 1st January 2003 to 31st December 2003 (Also called the period of investigation or POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 1st April 2000 to the end of period of investigation.

(xi) The Authority provided an opportunity to all interested parties to present their views orally on 17th January 2005. All parties presenting views orally were requested to file written submissions, of the views expressed orally. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any. A disclosure containing essential facts of the case was issued on 7th July 2005 and interested parties were requested to comment upon it within the specified time. The Final findings include examination by the Authority of the submissions made by the interested parties within the specified time frame following issuance of disclosure statement subject to being relevant to this investigation.

(xii) The Authority sought and verified all the information it deemed necessary for the purpose of final determination of dumping and resulting injury. The Authority conducted on the spot investigation of the domestic industry as well as the cooperating exporters to the extent considered necessary. The cost of the production of the domestic industry was also analysed to work out the best cost of the production and the cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles based on the information furnished by the petitioner so as to ascertain if anti Dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic Industry.

B. Product under Consideration.

2. The product under consideration in the present case is "Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from China PR" (also referred to as subject goods hereinafter). The subject goods are classified under subheading no 390461 under

Customs tariff Act and at subheading no. 39046100 in the Indian Trade Classification (ITC) based on Harmonized System. Customs classifications are indicative only and, in no way, binding on the scope of the investigations. PTFE is produced in various grades like moulding grade, fine powder, aqueous dispersions compound grades and filled grades. All grades are within the scope of the product under consideration. PTFE is primarily used in electrical, electronic, mechanical and chemical industries for their unique characteristics which are chemical inertness, electrical and thermal insulation, low coefficient of friction, non-toxic, non-flammable, resistance to radiation, low level of static and dynamic friction and outstanding electrical properties over a wide frequency range.

C. Like Article.

3. The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from subject countries. There is no significant difference in the subject goods produced by the petitioner and those exported from subject countries. Petitioner claims that the two are technically and commercially substitutable.

4. Rule 2(d) relating to the definition of like article specifies that like article means as article that is "identical" or alike in all respects to the articles under investigation or in the absence of such an article, another articles having characteristics closely resembling those of the article under investigation. The product considered in this investigation is Polytetrafluoroethylene (PTFE)). The basic raw material for manufacture of this product is Anhydrous Hydrochloric Acid and chloroform. It is produced in the moulding grade, fine powder grade, aqueous dispersions and compound grades of filled grades.

5. It has been argued by various interested parties consisting of exporters and importers that there are many grades of the subject goods which are not manufactured by the domestic industry and these grades are used mainly for high end electronics such as in nuclear and space establishments. It has also been argued that grades used for making the wires and cables have not been manufactured in a consistent quality by the domestic industry and therefore, the same is required to be imported. It has been further argued that PTFE is produced as per ASTM standards or specifications and domestic industry is not producing PTFE as per all ASTM standards.

6. The Designated Authority examined the claim of opposing interested parties. It was noted that PTFE is produced under various ASTM standards and domestic industry is producing various grades, which fall under various ASTM standards as is evident from the table below,

ASTM Type	No of Grades	HFL Grade s Name	Production (POI) in Kg		Sales (POI) in Kg	
			Qty Kg	Share %	Qty Kg	Share %
Type I	2	H51A, H51A C	162467	65.52	195727	64.94
Type III	4	H620, H620 E, H630, H630 E	21326	8.60	26994	8.96
Type IV	1	H71	18089	7.30	22947	7.61
Type V	1	H81F	0	-	0	0
Type VI	1	H5PS	20	0.01	40	0.01
Type VII	1	H81G	0	-	0	0
Total			201902	81.43	245708	81.53
Others Filled Grade			46044	18.57	55677	18.47
Total			247947	100.00	301385	100.00

Grade wise imports of the product under consideration in the investigation period are as follows:-

ASTM Type	No. of Grades	Import volumes POI	
		Imports Kg	Share %

Type I	2	178741	76.63
Type III	4	18897	8.10
Type IV	1	-	-
Type V	1	-	-
Type VI	1	6000	2.57
Type VII	1	2000	0.85
Others filled grades		27597	11.83
Total		233235	100.00

7. It is noted that domestic industry has neither produced nor sold grade equivalent to ASTM type V in the period of investigation. However, Grade 81F, is in product range of the domestic industry and is shown in product brochure also. It has been further claimed that due to continuous dumping from one after another sources, domestic industry have suspended production of 81F. Further, some interested parties have claimed that various grades of PTFE are not like article as various grades can not be used interchangeably. After examining the contention of the various submissions, it is noted that the product is not solely defined in terms of specific end-application. The parameters defining product are its characteristics such as physical & chemical properties, manufacturing process, technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Further, mere difference in specific properties of different grades do not render them different like products. It is further noted that production substitutability is equally important while determining the like product. Further a variety of different end applications, are produced from a single chemical compound in a single setup of plant and equipment. It is not difficult for any producer to switch among different grades of the PTFE in terms of production process. It is also relevant that producers can shift from one grade to another grade quickly and without significant cost or time loss. Therefore all the grades form a single domestic like product notwithstanding different specific end applications.

8. The Authority collected transaction-wise information of imports from DGCI&S. The Authority noted that the subject goods exported by Chinese producers and those supplied by the domestic industry are being used by same set of consumers. Both are largely comparable in terms of physical characteristics, chemical properties, manufacturing process, technology, functions and uses, pricing, distribution and marketing and tariff classification of the goods. With regard to the end use of the subject goods, the

Authority notes that the subject goods manufactured by domestic industry have been consistently supplied to the manufacturers of high-end electronics. There is no known significant difference in PTFE imported from China PR and produced by the domestic industry. Few importers have brought the attention of the Authority towards the fact that domestic like products are inferior in quality than the imported subject goods and therefore these two products may not be comparable and therefore are not like products. The Authority has examined the contention of all the interested parties and notes that no substantive information has been submitted by any importers towards the fact that the domestic industry produces inferior quality like products apart from the one correspondence with the domestic industry which was submitted by the one importer. It is further noted that no response to the importers questionnaire has been submitted by any importers till date which would give useful information pertaining to the investigation. On basis of the examination, it is held that imported subject goods and domestic like product are technically and commercially substitutable and the consumers are using the two interchangeably. On the basis of the above examination, the Authority concludes that the PTFE produced by the domestic industry is a like article to PTFE imported from China PR in accordance with the rules.

D. Domestic Industry

9. M/s Hindustan Fluorocarbon Limited, Hyderabad, is only producer of the PolyTetraFluoroEthylene (PTFE) in India and account for 100% of the Indian production. Therefore, the petitioner has the required standing to file the application in accordance to the rules.

E. Dumping Margin

Normal Value

10. Under Section 9A (1) (c), normal value in relation to an article means:

- (i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory*

as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Normal value in case of Non Market Economy Countries

Legal provisions in India

11. In anti-dumping investigations concerning imports from China PR, normal value shall be determined in accordance with paragraphs 1-6 of the Annexure 1 of the anti-dumping rules for those producers which were found to meet the criteria laid down in para 7 and 8 of the Annexure I of the Antidumping Rules. Para 7 of the Annexure I of the Antidumping Rules states that

"7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin.

12. Further, "Para 8 of Annexure 1- Amended on 04.01.2002 states as

(1) The term "non market economy country" means any country which the Designated Authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as a non-market economy country for the purpose of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by the competent authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a non-market economy country.

Provided, however, that a non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the Designated Authority that establishes that such country is not a non market economy country on the basis of criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) The Designated Authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

(a) the decision of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting

supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

- (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*
- (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*
- (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate;*

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the Designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in this paragraph.

13. Three exporting producers in the China PR requested market economy treatment pursuant to Para 7 and 8 of the annexure I of the Anti dumping rules and replied to the market economy questionnaires for exporting producers. The Authority sought and verified at the premises of these companies all information submitted in the response to the MET questionnaire and response to the exporter's questionnaire as deemed necessary.

Shandong Dongyue Polymer Material Company Ltd (Shandong), China PR

14. With regard to the first criteria i.e. the decision of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs including raw material, cost of technology, output sales and investment are made in response to market signals and

without significant state interference, the Authority examined the share holding pattern of the exporting producers. During the process of verification, it was noted that total share capital is subscribed by **** shareholders and of these M/s. **** is the second biggest stakeholder in this firm and is a state owned company. Further, another state company M/s. **** which has significant state holding controls more than ****% in **** which subsequently holds significant stake in the ****. With regards to the M/s. ****, which is a state owned; the company did not provide any explanation, as to why the state owned trust fund was its actual shareholder during the verification. It was argued that they held it on entrustment basis without having any operational control or day-to-day management control. With regard to the another criteria that costs of the major inputs substantially reflect market values, no evidence was submitted during the verification visit to show that the purchases of raw materials were made at prices which were aligned with the market values. With regards to the other criteria examined by the Authority, it was noted that the exporting producer could not rebut the presumptions in accordance with para 8 of the Annexure 1 of the Anti dumping rules.

M/s Taizhou Meilan Resin Process Co Ltd and M/s Taizhou Meilan Fluorine Material Company Ltd (Tuzhou Meilan)

15. Initially, **** [chemical factory] was set up on ****. In ****, Chlorine Alkali (NaOH) manufacturing division was carved out from Chemical factory into a separate company by name **** [chemical stock company]. Chemical Stock Company had **** other promoters along with Chemical Factory. Initially, the registered capital was **** RMB. Chemical Factory was converted into a company incorporated under the Chinese Company Law in June 2003 in the name of **** [Chemical Group Company]. In 2000, Chemical Stock Company entered into a Joint Venture Agreement with M/s. **** of USA to start a new joint venture company by name **** [Resin Process Company] for manufacturing PTFE. The new company was incorporated on ****. However, Resin Process Company started operations from **** only. The Resin Process Company was held by **** [****%] and **** (USA) [****%].

16. A separate company by name **** [Business] Company Ltd owned by **** private individuals was started on ****. **** was engaged in the purchase and sale of chemicals.

**** purchased the PTFE manufacturing assets from Chemical Stock Company in ****. For this purpose, the assets of Chemical Stock Company were got evaluated by an independent consultancy firm named **** Asset Evaluation Office Co Ltd. Name of **** was changed into Taizhou Meilan Fluorine Material Company Ltd [Fluorine Material Company] with effect from 24 December 2002. The name of Fluorine Material Company was changed into **** with effect from 3 March 2003. The name was again changed into Taizhou Meilan Fluorine Material Company Ltd [Fluorine Material Company] with effect from 31st August 2004. Fluorine Material Company procured the ****% shares of Resin Process CO held by ****. The transfer took place on ****.

17. During the verification visit, the website of the Jiangsu Meilan Group was visited. The Website was the same as the one referred to in the submissions made by the domestic industry in India. The Web site showed the organization chart of **** in English and in Chinese. The English version of the chart was the same as the one presented by the Indian domestic industry. However, the Chinese version of the organization chart was quite different. Fluorine Material Company owns the plant and machinery for the manufacture of PTFE. Fluorine Material Company manufactures PTFE. It was also manufacturing PTFE Fluorine Material Company till 30.6.2003. Till 30.6.2003, PTFE produced by was sold in the domestic market to unrelated parties or to Resin Process Company. It did not have any authorization to export the goods out of China. The Resin Process Company has the necessary export authorization. Therefore, Resin Process Company purchased PTFE from Fluorine Material Company and exported them out of China PR.

18. Thus, during the first half of IP, Fluorine Material Company produced the product concerned, made domestic sales and Resin Process Company made exports. During the second half of POI, Resin Process Company produced the product concerned and made both domestic sales and exports.

19. With regard to the first criteria i.e. the decision of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs including raw material, cost of technology, output sales and investment are made in response to market signals and without significant state interference, the authority examined the share holding pattern of the exporting producers as mentioned above. It was seen that till June 2003, the state owned shareholder owned the majority shareholding in the Resin process company and therefore a significant state interference

always existed during the POI. Further, With regard to the fact that costs of the major inputs substantially reflect market values; no evidence was submitted during the verification visit to show that the purchases of raw materials were made at prices which were aligned with the market values. With regards to the other criteria examined by the Authority, it was noted that the exporting producer could not rebut the presumptions in accordance with para 8 of the Annexure 1 of the Anti dumping rules.

20. Thus, it may be concluded that exporting producer did not provide sufficient information that it was operating under market economy conditions.

Conclusions on the determination of normal values

21. Keeping in view of the submissions made and the arguments during the on the spot verification, it is proposed to conclude that in accordance with a consistent practice, where the state has the possibility to exert significant influence on the company's decision, whether legally or de facto, it is considered that the basic criteria rebutting Para 8 of the annexure 1 of the Anti dumping rules have not been met. Hence it is concluded that M/s Shandong and M/s Tuzhou Meilan could not rebut the presumptions as mentioned in the annexure 1 of the anti dumping rules and hence normal value cannot be determined as per Para 1-6 of the Annexure 1 of the Anti dumping rules. Thereafter, normal value has been determined as per the provisions pertaining to the Para 7 of the Annexure 1 of the anti dumping rules which state that

"7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin.

22. In this case, it is determined that other countries (countries other than subject country and Russia) exports to India during the POI (and also earlier years) comprised more than 60% of the imports of subject goods into India. In accordance with the para 7 of the Annexure 1 of the Anti dumping rules as mentioned above, normal value has been determined as the price from a market economy third country to India during the POI. For determining the appropriate third country, an

examination was conducted from the transaction wise data of imports from third countries to India and it was seen that volume of imports from Netherlands was 240 MT during the POI as against imports of 233 MT from the subject country. Thus the quantum of exports from Netherlands to India was considered comparable to the exports made from China PR to India. Thus a country wide normal value was determined for China PR as the price from Netherlands to India during the POI. The normal value was normated with suitable adjustments with regard to freight, commissions, insurance etc to arrive at the ex factory normal value.

Export prices

Shandong Dongyue Polymer material company Ltd (Shandong), China PR, M/s Taizhou Meilan Resin Process Co Ltd (Resin process) and M/s Taizhou Meilan Fluorine Material Company Ltd (Fluorine Material).

23. Appendices pertaining to the exports to India by above mentioned firms were examined with the original records kept by the exporters and the adjustments claimed by the exporters with regard to the freight, bank charges etc were verified and export price at the ex factory level were determined for all the three cooperating exporters which submitted the information and for which data was verified.

Dumping margin

24. The country wise normal value determined in the earlier paragraphs have been compared with the weighted average export price at the ex factory level of cooperating exporters to determine individual dumping margin for cooperating exporters. With regards to the requests from various interested parties to examine the dumping margin on grade wise basis, it is noted that the Authority has examined the transaction wise data from Netherlands (third country) to India and also China PR to India but could not decide conclusively about the grade wise quantity and price of imports to India during the POI. It is also noted that there were divergent claim about the certain grades being part of ASTM classifications from the domestic industry and also from the exporting producers. Thus, it was decided that a weighted average export price of the subject goods during the POI would be more appropriate in the case of imports into India from China PR as well as from Netherlands.

Dumping margin for other producers and exporters

25. For other exporters which did not submit the information to the Authority, the export price was determined by taking the lowest export price during the POI from China PR to India. The country wide normal value determined in the earlier paragraphs have been compared with the export price at the ex factory level to determine the dumping margin for other producers and exporters.

Dumping Margin:

Country	Name of the Producer/exporter	Normal value US \$	Export Price US \$	D.M%
China PR	Shandong Dongyue Polymer Material Company Ltd	****	****	37%
	Taizhou Meilan Resin Process Co Ltd and Taizhou Meilan Fluorine Material Company Ltd	****	****	40%
	All Other Producers/exporters	****	****	46.8%

F. Injury**Domestic Consumption/Demand****26. Domestic consumption/demand**

For the calculation of the Domestic consumption/demand of the product under consideration, the sales volume of the domestic industry has been added with total imports of the subject goods into India. On this basis, it is seen that the domestic demand or consumption of the subject goods in the domestic market increased as shown in the table below.

(Unit MT)

Year	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Imports – China	7.35	10.65	52.60	233.24
Indexed	100.00	144.78	715.27	3171.54
Year by year change		44.78	394.05	343.40
Imports – Russia	118.49	155.90	171.78	137.00
Year by year change		31.57	10.19	-20.25
Imports – Other Countries	266.55	410.32	548.41	638.35
Year by year change		53.94	33.65	16.40
Indexed	100	102.3	80.6	81
Demand	764	958	1073	1310
Year by year change		28.94	4.4	4.9

27. It is also noted that demand of the product under consideration has been increasing year by year. It is also noted that that Russia is also exporting subject goods at dumped prices (as per the findings issued in the earlier review investigations) and the Designated Authority has already recommended Anti Dumping duty for a further period of five years. The Authority has examined imports from Russia and other countries and found that imports from Russia and other countries show declining trend in POI, whereas China shows significant growth in POI.

Imports originating in the subject country and other countries

Volume of imports

28. The volume of dumped imports of the subject goods from China PR and other countries are given in the table below.

Unit: MT

Year	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Imports – China PR	7.35	10.65	52.60	233.24
Indexed	100.00	144.78	715.27	3171.54
Year by year change		44.78	394.05	343.40
Imports – Russia	118.49	155.90	171.78	137.00
Year by year change		31.57	10.19	-20.25
Imports – Other Countries	266.55	410.32	548.41	638.35
Year by year change		53.94	33.65	16.40
Total Imports	392.40	576.87	772.79	1008.58
Indexed	100	147.01	196.94	257.03
Demand	764	958	1073	1310
Indexed	100	125.27	140.33	171.36
Year by year change		25.27	12.02	22.11

29. It is evident from the above that imports from China PR. have increased manifold. It is further noted that the domestic consumption increased by 71% during the period under consideration as comparison of base year. There has been steady and significant increase in demand. The volume of dumped imports increased significantly over the period under consideration.

Share of subject country in total imports:

30. Over the period under consideration, the share of the dumped imports from China PR increased significantly as shown below:

Year	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Market Share in Imports %				
China PR (MT)	7.35	10.65	52.60	233.24
Share (%)	1.87	1.85	6.81	23.13
Russia (MT)	118.49	155.90	171.78	137.00
Share (%)	30.20	27.03	22.23	13.58
Other Countries (MT)	266.55	410.32	548.41	638.35
Share (%)	67.93	71.13	70.96	63.29

31. It is seen that Chinese share in total imports as also in relation to Indian production and consumption is not only significant but also have increased at the same time. It is further noted that Russia and other countries have lost their market share. It is also noted that the decline in market share of countries other than China PR and increase in market share of China could be due to decline in prices from China as the exporters from China have reduced their prices significantly and continuously.

Market share of dumped imports in total demand

32. The Designated Authority examined the share of dumped imports from China in demand/consumption of the subject goods in India. It would be seen that share of China, which was just 0.96% in 2000-01 increased to 18% in period of investigation.

Year	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Market share in Demand (%)				
Domestic industry	48.67	39.76	27.96	23.01
China	0.96	1.11	4.90	17.80
Russia	15.50	16.28	16.01	10.46
Other Countries	34.87	42.85	51.12	48.73
Changes in market share – from base year				
China PR	-	0.15	3.79	12.90
Russia	-	0.78	-0.27	-5.56
Other countries	-	7.98	8.28	-2.39

33. It is evident from the above that the domestic industry has lost significant market share over the years, which is captured by dumped imports from subject country. Moreover, Chinese growth in market share is significant and continuous, whereas growth in countries other than China PR which was positive till 2002-03, became negative in period of investigation.

Dumped imports in relation to production in India

34. Dumped imports from subject country increased significantly in relation to production of the domestic industry. For this purpose, the

Authority has considered production of the domestic industry and dumped imports separately. This clearly shows that the volume of dumped imports has increased in relation to production of the domestic industry in India, as would be seen from the table below.

Year	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Production MT	362.98	342.92	401.39	247.95
China PR Imports MT	7.35	10.65	52.60	233.24
Russia Imports MT	118.49	155.90	171.78	137.00
Imports from China PR in relation to production	2.03	3.25	13.23	88.65
Year by year change		1.22	9.98	75.42
Imports from Russia in relation to production	32.64	45.46	42.80	55.25

35. On the basis of above examination, it can be concluded that there has been a significant growth in the dumped imports from China during the period under consideration. Imports from Russia also show positive growth in relation to production of domestic industry.

Evolution of import price

36. During the period under consideration, the average CIF prices of the imports originating in China declined significantly. The decline occurred steadily over the period under consideration as is evident from the following table.

Rs. Per Kg	2000-01	2001-02	2002-03	POI
CIF export price – China	380.57	310.62	252.96	238.43
Indexed	100	81.62	66.47	62.65
Year by year change		-18.38	-18.56	-5.75
CIF export price	364.04	355.63	322.97	305.86

– Russia				
Indexed	100	97.69	88.72	84.02
Year by year change		-2.31	-9.18	-5.30

37. It may be seen that as a result of decline in CIF import price, landed price of imports from China PR declined significantly.

Price Undercutting (Price UC) and Price depression

38. A comparison is made between the net sales realisation of domestic industry and landed price of imports from China. Net sales realisation of domestic industry in the domestic market in respect of unrelated customers was considered net of freight & transportation, discounts & commission and rebates & taxes. The CIF prices of China were added for post importation basic customs duties to arrive at landed price.

Rs. Per Kg	2000-01	2001-02	2002-03	POI
CIF export price – China PR	380.57	310.62	252.96	238.43
Indexed	100	81.62	66.47	62.65
Landed Value – China	532.37	407.84	332.14	301.01
Indexed	100	76.61	62.39	56.54
CIF export price – Russia	364.04	355.63	322.97	305.86
Indexed	100	97.69	88.72	84.02
Landed Value – Russia	509.24	466.94	424.06	386.15
Indexed	100	91.69	83.27	75.83
Net Sales Realization	****	****	****	****
Indexed	100	105.20	96.37	88.91
Price undercutting - China				Significant
% Price Undercutting				25-35%
Price undercutting - Russia				significant
% Price				5.92

Undercutting				
Landed value from countries other than subject country and Russia				446
Price Undercutting from countries other than subject country and Russia.				Negative

Rs. Per Kg	POI
Shandong landed Price	****
Taizhou Meilan landed Price	****
Price UC Shandong	significant
Price UC % Shandong	25-35%
Price UC Taizhou	significant
Price UC % Taizhou	20-30%

This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in China were sold in the domestic market at prices, which were significantly undercutting the domestic industry's prices. The price undercutting in the POI was very significant. It is also noted that the domestic industry has suffered significant price depression as the selling price shows a continuous downward trend during the period of injury examination.

Situation of the Domestic Industry

Preliminary remarks

39. For the examination of the impact of the imports on the domestic industry in India, the Authority considered all indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules supra.

Sales Volumes (MT)

Year	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Sales	372.07	380.8	299.96	301.4
Trend	100	102.35	80.62	81.01
Demand	764	958	1073	1310
Trend	100	125.27	140.33	171.36
Market share of domestic industry	48.67	39.76	27.96	23.01

40. It is noted from the above that sales volumes of the domestic industry declined significantly from 380 MT to 301 MT. At the same time, demand of the product has shown significant positive improvement. From the above, it appears that the domestic industry not only lost existing sales but also lost the sales, which it should have captured with increase in demand.

Profits

41. Profit/loss of the domestic industry per unit of production and for the quantities sold was as under:

Indexed	2000-01	2001-02	2002-03	POI
PBIT (Rs./Kg)	(100.00)	(61.57)	(250.73)	(876.87)
Interest (Rs./kg)	100.00	104.96	104.18	119.75
Net Profit/loss (Rs./kg) after interest -- on sales	(100.00)	(94.00)	(141.20)	(311.00)
Net Profit/Loss after interest Rs. Lacs	(100.00)	(88.93)	(156.37)	(212.76)

Net Profit/Loss before interest Rs. Lacs	(100.00)	(58.15)	(277.23)	(518.25)
--	----------	---------	----------	----------

42. The above analysis includes an amount of Rs. ****Lacs being provided by the company in its account towards interest payment to its holding company, HOCL. It is however, found that the company has consistently provided for this amount in all the years over the injury period and no amount has actually been paid to HOCL. The interest represents substantially the amount of interest on the loan given by HOCL to the petitioner company to repay the foreign currency loan taken by the company at the time of setting up the plant, actual repaid amount of which increased very substantially due to significant devaluation of Rupee. The Authority considers that the loan and the interest payable thereon represents injury suffered by the domestic industry due to factors other than dumping and therefore the loan and principal amount should be segregated for determining injury to the domestic industry. After segregating this impact, profits of the domestic industry would show as follows.

Indexed	2000-01	2001-02	2002-03	POI
PBT	(100.00)	(88.80)	(156.15)	(212.45)
Interest	100.00	99.49	113.84	108.38
PBIT	(100.00)	(2.04)	(499.66)	(1,057.43)
Depreciation	100.00	91.16	92.64	79.99
PBIDT	100.00	122.12	(48.74)	(259.54)

43. It is evident from the above that the company was in cash profit till 2001-02. In 2002-03, it made small loss, which increased significantly in POI.

Production, capacity and capacity utilization

44. Production, capacity and capacity utilization of the domestic industry have been as under.

Year	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Capacity MT	500	500	500	500
Production MT	362.98	342.92	401.39	247.95
Indexed	100.00	94.47	110.58	68.31
Capacity Utilization	72.59	68.58	80.27	49.59
Year by year Change in	-	-4.01	11.69	-30.69

utilization			
-------------	--	--	--

It is seen from the above that the production of the domestic industry was increasing till 2002-03. The same, however, declined in period of investigation. The capacity utilization shows a similar trend and has reduced by more than 50% during the injury period.

Market share of the domestic industry

45. The share of the domestic industry and dumped imports in demand/consumption in India is given in the table below:

(Unit – MT)

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Demand (MT)	764	958	1073	1310
Sales of Domestic industry (MT)	372.07	380.8	299.96	301.4
Imports from China PR	7.35	10.65	52.60	233.24
Imports from Russia	118.49	155.90	171.78	137.00
Imports – Other Countries	266.55	410.32	548.41	638.35
Market share in Demand (%)				
Domestic industry	48.67	39.76	27.96	23.01
Imports – China PR	0.96	1.11	4.90	17.80
Imports – Russia	15.50	16.28	16.01	10.46
Imports – Other Countries	34.87	42.85	51.12	48.73
Changes in market share (year by year changes)				
China PR		0.15	3.79	12.90
Russia		0.78	-0.27	-5.56
Other imports		7.98	8.28	-2.39
Domestic industry		-8.91	-11.80	-4.95

46. It is seen that the demand shows positive and and at the same time, sales of the domestic industry shows negative trend. Resultantly, share of domestic industry in demand declined significantly.

Employment and Wages

47. There are no significant changes in employment levels of the domestic industry. Wages paid by the domestic industry show positive trend. Incidence of wages per unit of production declined between 2000-01 to 2002-03 and increased in period of investigation as a result of steep fall in the production level.

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Employment (numbers)	220	220	218	218
Wages (per unit of production)	364.62	366.32	371.26	403.67

Productivity:

Year	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Production	362.98	342.92	401.39	247.95
Production per Day/MT	1.04	0.98	1.15	0.71
Year by Year Change		-0.06	0.17	-0.44
Employees	220	220	218	218
Productivity per Employee / MT per Day	1.65	1.56	1.84	1.14

48. It is evident from the above that productivity of the domestic industry was increasing up to 2002-03 and declined significantly in period of investigation. The decline in productivity could be due to inability of the domestic industry to sell the product.

Factors affecting domestic prices

Rs. Per Kg	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Net Sales Realization Indexed	100.00	105.20	96.37	88.91
Landed Price – China	232.37	407.84	332.14	301.01
Price undercutting-	Negative	Significant	Significant	Significant

China				
Landed price - Russia	509.24	466.94	424.06	386.15
Price undercutting - Russia	Negative	Significant	Significant	Significant

49. It is noted that the import prices of subject goods from the subject country is continuously coming at lower prices. It is noted that the level of imports amongst other factors determines the domestic prices. The market prices in the domestic market appear to have been driven down by the higher volumes of dumped imports at dumped prices. It is further noted that price undercutting from the subject countries is very significant and there is significant price depression also on account of dumped imports from subject countries.

Return on investments

%	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Considering interest provided in the books				
Profit before interest	(100.00)	(58.15)	(277.23)	(518.25)
Profit after interest	(100.00)	(88.93)	(156.37)	(212.76)
Capital Employed	100.00	103.10	102.65	82.68
Return – before interest	(100.00)	(56.36)	(270.34)	(627.33)
Return –after interest	(100.00)	(86.15)	(152.09)	(256.95)
Excluding interest payable to HOCL but not paid over entire injury period				
Profit before interest	100	138.13	-61.48	-281.06
Return – before interest	100	133.91	-59.92	-339.69

50. It is seen that the domestic industry's return on capital employed has been severely deteriorated.

Effects on cash flow:

51. The petitioner is involved in production of CFM also, which is a intermediate product for production of CFM and is being sold in the

market. Cash flow of the domestic industry is reflective of operations relating to company as a whole, which include CFM operations also, in which company is making profits. However, the Authority has examined performance of the domestic industry in terms of cash profits in relation to the product under consideration alone. Since interest to its promoter M/s HOCL has not been paid over the entire injury period, the cash profit has been determined after excluding interest payable to HOCL. Further, cash flow has also been determined for the product under consideration alone, position of which is given below.

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Cash profit – Indexed	100.00	177.41	(493.59)	(1,124.18)
Cash flow – Company	-196.08	-211.65	-329.77	-37.65

52. It is evident from the above that cash profit situation of the domestic industry deteriorated continuously in period under consideration.

Inventories

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Opening Stock	83.65	74.56	36.68	132.43
Closing Stock	74.56	36.68	138.12	78.98
Production of the domestic industry	362.98	342.92	401.39	247.95
Avg. Stocks	79.11	55.62	87.40	105.71
Sales	372.07	380.8	299.96	301.4
Per Day Sales	(100.00)	(102.83)	(81.13)	(81.13)
Stock sufficient for No. of days sales	(100.00)	(68.70)	(137.05)	(164.96)
Stock as % of production	21.79	16.22	21.77	42.63

222161/05—9

53. It is seen from the above that inventories with the domestic industry declined between 2000-01 and 2001-02. However, it increased thereafter significantly in 2002-03 and in the POI.

Ability to raise capital investments:

54. The company is suffering financial losses and could find difficult to raise capital.

Growth

55. The domestic industry is faced with negative growth in respect of production and sales, even though the demand of the product has increased significantly, as would be seen from the table below.

	2000-01	2001-02	2002-03	POI
Sales Indexed	100.00	102.35	80.62	81.01
Demand Indexed	100.00	128.94	134.61	141.20
PBIDT Indexed	100.00	122.12	(48.74)	(259.54)
Market share of domestic industry in demand	100.00	122.12	(48.74)	(259.54)
Avg. Inventories	100.00	70.31	110.48	133.62

56. It is thus seen from the above that domestic industry is faced with negative growth in respect of a number of parameters.

Conclusions

57. There has been significant increase in the volume of dumped imports from subject country at the absolute level and also in relation to total imports and also in relation to total demand of subject goods into India. There has been significant price effect on account of dumped imports resulting into price depression, price undercutting and price suppression. The undercutting margin as well as the price depression have been determined and are considered to be significant. It is further noted that significant decline in sales volumes, continuous deterioration in the financial performance, decline in market share in demand (significant decline after showing increase up to 2001-2002), positive price undercutting in POI, positive price depression, decline in return on capital employed on a year to year basis, increase in average stock etc shows significant deterioration in the performance of the

domestic industry over the injury period. The margin of dumping from subject country is very significant. On the basis of the above analysis, it is concluded that the domestic industry has suffered material injury.

G. Causal link

(a) Introduction

58. In order to reach its conclusions on the cause of the injury suffered by the domestic industry and in accordance with Article 3.5 of Agreement of Anti Dumping and as per para (v) of Annexure II under Rule 11 under Customs Tariff Act as amended, the Authority examined the impact of all known factors and their consequences on the situation in that industry. Known factors other than the dumped imports, which could at the same time have injured the domestic industry, were also examined to ensure that the possible injury caused by these other factors was not attributed to the dumped imports.

(b) Effect of dumped imports

59. Manifold increase in volume of imports (by more than 3000%) between 2000-01 and POI lead to increase in share of Chinese imports in demand/consumption (by 1750%) in India. As a direct consequence, the market share of domestic industry declined (by 52.72%). Imports from subject country have increased in the total imports (from 1.87% to 23.13%) as well as in total demand (from 0.96% to 17.80%). It has also increased as a proportion to the sales made by domestic industry during the period under consideration (subject imports were 1.97% of sales of domestic industry in 2000-01, which increased to 77.38% in POI). As a direct consequence, share of domestic industry declined. Imports from the subject country were significantly undercutting the prices of the domestic industry. As a direct consequence, the domestic industry was prevented from selling the product at a price, which would have enabled it to recover its cost of production and earn a reasonable profit. Further, the sales of the domestic industry declined in spite of reduction in the selling price, in view of huge price difference between the imported product and domestic product. This led to deterioration in the performance of the domestic industry in terms of production, capacity utilization, profits, cash profits and return on investment.

Effect of Other factors

(a) Performance of Other Domestic producers:

60. There was no other domestic producers of the subject goods during the period under consideration apart from the domestic industry. Accordingly, injury on account of other producers in the domestic market could not have been a cause of injury to the domestic industry.

(b) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

61. The Authority notes that there is no contraction in the overall demand during the period under consideration. On the contrary, the overall demand has increased significantly during the injury period. The Authority also concludes that there is no apparent change in the pattern of consumption.

(c) Volume and Prices of imports not sold at the dumped prices

62. According to the available information, the total import volume of the product concerned originating in countries other than subject countries are more than 60% of the total imports during the POI. However, their price are considerably higher than export prices from subject country and Russia and there is no claim of normal value being more than export prices from these countries and they have not undercut the domestic industry prices (in fact there is a significant negative price undercutting from imports of non subject country) and therefore, they are considered not to have had any impact on the injury to the domestic industry.

(d) Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers and issues relating to the quality and types of the subject goods

63. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from the subject countries compete directly with the subject goods produced by the domestic industry. The authority further notes that the imported product is sold to meet the similar commercial grades and specification as domestically produced subject goods. It is further noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. With regard to argument of importer about the quality, rate and availability of the

subject goods manufactured by the domestic industry, it is noted that the domestic industry produces a very large no. of different grades of the domestic like product. It therefore does not appear that the petitioner does not produce and supply wide variety of the product.

(e) Developments in Technology, Export performance and productivity of the Domestic Industry

64. One importer has submitted that plant and technology purchased by M/s HFL was obsolete even at the time it was purchased. However, the same importer has not produced any supporting evidence that non developments of technology have been a factor of injury to the domestic industry. On the basis of the examination of the records of the petitioner, the authority holds that developments in technology, has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry. There have been no exports of the like products by the domestic industry during the POI.

(f) Other factor: BIFR status and loss making

65. It has been argued by other interested parties that injury to the domestic industry could be due to the reasons other than dumped imports from subject country. Reasons such as high interest burden and high cost of production have been cited as reasons for the injury to the domestic industry. The Authority has verified the data pertaining to the cost structure of the domestic industry and can analyze the effect of the interest component on the state of the domestic industry. The Domestic Industry was referred to BIFR in April, 1994. BIFR in its Order No.507/94 dated 19.12.1996 approved the merger of Hindustan Fluorocarbons Ltd. (HFL) with Hindustan Organic Chemicals Ltd. (HOCL). As reported in its Annual Report for the year 2002-2003, it is mentioned that the company is still in the BIFR. HOCL (the holding company) has submitted alternative viable proposal for revival of HFL and submitted the same to IDBI and BIFR in respect of rehabilitation package. The final decision is awaited. It is further noted that the company is charging interest of Rs. **** lakhs in the books of accounts in all periods, which is due to HOCL but not being paid. In fact, the company have requested Government of India to write-off amount due to HOCL and interest thereon. However, the approval is awaited. It is further noted that the loan had been taken from HOCL to pay foreign currency loan, which had increased due to significant changes in value of Indian rupee with foreign currency. After taking loan from HOCL, such loan has been paid. However, interest on such loan is payable to

M/s HOCL. The Authority has segregated the impact of such high interest cost from the performance of the domestic industry and analyzed the status of the domestic industry after excluding the same. The Authority notes that domestic industry has been making profits before interest and depreciation till 2001-02. The Domestic industry made small losses in 2002-03, which increased significantly in POI.

66. As regards improvement in productivity, the authority notes that during the period under consideration, the productivity measures as output per person employed per year has declined due to the decline in the output of the domestic industry.

Conclusions on Causal link

67. Significant increase in volume of imports between 2000-01 and POI led to increase in share of imports in demand/consumption. As a direct consequence, share of domestic industry declined between 2000-01 and POI after recording an increase between 2000-01 and 2001-02. Market share of the dumped imports gradually increased over the periods. As a direct consequence, the market share of the domestic industry declined significantly. Imports from the subject country were significantly undercutting the prices of the domestic industry. As a direct consequence, the domestic industry was prevented from selling the product at a price, which would have enabled it to recover its cost of production and earn a reasonable profit. This led to significant deterioration in the performance of the domestic industry in terms of profits, cash flows and return on investment.

68. Given the above analysis which has properly distinguished and separated the effects of all known factors on the situation of the domestic industry from the injurious effects of the dumped imports, it is concluded that these other factors as such did not reverse the fact that the material injury found may be attributed to the dumped imports.

69. It is, therefore, concluded that the dumped imports originating in the subject country have caused material injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti Dumping rules and article 3.5 of the Agreement of Anti Dumping.

H Indian Industry interest.

70. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

71. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

72. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

I. CONCLUSIONS:

73. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

A. The subject goods have been exported to India from the subject country below its normal value.

B. The domestic Industry has suffered material injury;

C. The injury has been caused by the dumped imports from subject country.

74. The Authority considers it necessary to impose an anti dumping duty on all imports of subject goods from subject country in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports is proposed to be compared with the non-injurious price of the petitioner company determined for the period of investigation.

75. Accordingly, the Authority recommends that the definitive anti dumping duties be imposed by the Central Government on all imports

of Polytetrafluoroethylene (PTFE) from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government falling within Custom Heading 390461 originating in or exported from Peoples Republic of China. The Anti-Dumping duty shall be the difference between the amount mentioned in column 9 of the following table and the landed value of imports per Kg on imports of subject goods falling within Chapter 39 of the Customs Tariff, originating in or exported from the countries mentioned below: -

S. No	Heading	Description of goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	390461	Polytetrafluoroethylene (PTFE)	Any	China PR	China PR	Shandong Dongyue Polymer Material Company Ltd	Any	7.78	Kg	US Dollar
2.	390461	do	Any	China PR	China PR	Taizhou Meilan Resin Process Co Ltd	Any exporter	8.32	Kg	US Dollar
3..	390461	do	Any	China PR	Any	Any Except above	Any	8.50	Kg	US Dollar
4.	390461	do	Any	Any except China PR	China PR	Any producer	Any Exporter	8.50	Kg	US Dollar

76. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.32.

77. An appeal against this order shall lie before the Customs Excise and Service Tax Appellate tribunal, in accordance with the Act.

78. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measures, as recommended herein, from time to time, as per the relevant provisions of the Act, and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party within the time limit stipulated for this purpose.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority